जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 183 प्रभात चूरू, शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मनीष शर्मा की सीधे ही सीडब्ल्युसी के सदस्य व यूथ कांग्रेस के प्रभारी के रूप में नियुक्ति किसी को पच नहीं रही

ऐसा कहा जा रहा है कि वे राहुल की नवरत्न मीनाक्षी नटराजन के विश्वासी हैं वे उनके घरेलू कामकाज में मदद करते थे

- मनीष शर्मा की इससे पहले पार्टी में कोई औपचारिक नियुक्ति नहीं हुई थी ना ही उन्हें कोई जिम्मेवारी दी गई थी।
- कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य बनने के लिए नेताओं को जीवन पर्यंत काम करना होता है और इसकी सदस्यता लंबे कार्यानुभव का नतीजा होता है।
- मीनाक्षी नटराजन की भांति कृष्णा अल्लूवेरा भी राहुल गांधी के इनर ग्रुप, जो अपने आपको जन जगत कहता है, के सदस्य रहे हैं, उन्हें बिहार का प्रभारी बनाया गया था और वे यह कह कर गये थे कि वे तेजस्वी यादव के साथ बहुत कड़ाई से पेश आयेंगे और टिकट बंटवारे में तेजस्वी को घुटनों पर ला देंगे।
- पर हुआ उलटा ही, तेजस्वी यादव ने अल्लूवेरा को अपने घर में व बैठकों में भाग लेने तक पर प्रतिबंध लगा दिया और अब नौसिखिए अविनाश पांडे को बिहार का प्रभारी बनाकर भेजा गया है।

- रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 30 अक्टूबर। कांग्रेस पार्टी में लोग न केवल हैरान हैं बल्कि सदमें में भी है। पार्टी कार्यकर्ता और नेता दोनों जिस तरह से नियुक्तियां हो रही हैं, उससे चकित हैं, और राहुल गांधी ने अपने करीबी सहयोगियों को उनकी इच्छाओं और सनकों के हिसाब से काम करने की पूरी स्वतंत्रता दे दी है। ताजा विवाद मनीष शर्मा की नियुक्ति को लेकर है, जिन्हें हाल ही में भारतीय युवा कांग्रेस की एआईसीसी प्रभारी नियुक्त किया गया है, यह नियुक्ति मीनाक्षी नटराजन के कारण हुई है, जो राहुल गांधी के 'नवरत्नों' में से एक हैं।

मनीष शर्मा नटराजन के घर पर घरेलू सहायक थे (हाँ, आपने सही पढ़ा, घरेलू काम करते थे)। उन्होंने कभी पार्टी में कोई संगठनात्मक पद नहीं संभाला, न ही वे एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, राज्य इकाई, केंद्र या कहीं और कार्यरत रहे हैं। यह उनका पहला आधिकारिक पद है और वह भी सीधे कांग्रेस कार्यसमिति में, पार्टी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था में, जहाँ नेताओं को जीवनभर के काम और अनुभव के बाद शामिल किया जाता है।

कुछ समय तक शर्मा को पार्टी प्रोजेक्ट्स से जुड़वाने का प्रयास किया गया था, लेकिन उन्हें कांग्रेस में कोई औपचारिक पद नहीं मिला था और अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, उनके पास कोई ठोस अनुभव नहीं है।

मीनाक्षी नटराजन अब राहुल के करीबी समूह जो खुद को "जन जगत" कहता है, की सदस्य हैं, जो महत्वपूर्ण और बड़े फैसले लेता है। इस समूह के एक अन्य सदस्य कृष्णा अल्लावरू को युवा कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया था, लेकिन उन्हें बिहार का प्रभारी बना दिया गया है।

कांग्रेस का तेजस्वी यादव के साथ संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गया है, क्योंकि अल्लावरू ने राहुल गांधी को यह यकीन दिलवाया था कि वह तेजस्वी से सख्ती से पेश आएंगे, लेकिन इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप और शी के बीच डील

बुसान, 30 अक्टूबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के उनके समकक्ष शी जिनपिंग के बीच यहां बुसान हवाई अड्डे पर हुई बैठक में चीनी उत्पादों पर अमेरिका में आयात शुल्क 10 प्रतिशत कम करने पर सहमति बन गयी है और बदले में चीन रेअर अर्थ मेटल पर निर्यात नियंत्रण हटाने पर सहमत हो गया है।

ट्रंप ने बैठक के बाद गुरुवार को संवाददाताओं को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चीनी उत्पादों पर 20 प्रतिशत फेनटेनिल शुल्क को घटाकर 10 प्रतिशत किया जायेगा। इससे कुल

- चीन रेअर अर्थ मैटल निर्यात नियंत्रण पर एक साल के लिए हटा देगा और अमेरिका 10 प्रतिशत टैरिफ घटा देगा।

शुल्क 57 प्रतिशत से घटकर 47 प्रतिशत हो जाएगा।

आधिकारिक सूचना के मुताबिक फिलहाल चीनी उत्पादों पर 55 प्रतिशत शुल्क है जिसमें 20 प्रतिशत फेनटेनिल शुल्क, 25 प्रतिशत आयात शुल्क और 10 प्रतिशत लिबटेशन डे शुल्क है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि शी इस बात पर सहमत हुए हैं कि चीन अमेरिका से सोयाबीन, सोरगम और दूसरे कृषि उत्पाद खरीदेगा। इससे अमेरिकी किसानों को काफी लाभ होगा। साथ ही चीन अमेरिका को रेअर अर्थ मेटल और महत्वपूर्ण खनिजों आदि की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बूसान में हैंड शेक के बाद अमेरिका व चीन ने अजीबो-गरीब समझौता किया

चीन एक साल तक रेयर अर्थ की सप्लाई निर्बाध जारी रखेगा व अमेरिका चीन के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ नहीं लगाएगा

- भारत में भी सत्तर लाख टन रेयर अर्थ का भंडार है, परन्तु इस खनिज को परिष्कृत कर काम लेने योग्य बनाने की टैक्नॉलजी नहीं है।
- चीन के पास रेयर अर्थ की मोनॉपली नहीं है, पर उसको रिफाइन करने की टैक्नॉलजी पर एकाधिकार है।
- अमेरिका-चीन के हैंड शेक के बाद भारत को कुछ राहत तो है, क्योंकि टाटा, टीसीएस, सुज़लॉन आदि कंपनियों का काम बेधड़क एक साल तक चलेगा, पर इसके बाद क्या होगा, यह चिंता का विषय है।
- क्या भारत साल भर में रेयर अर्थ को रिफाईन करने की टैक्नॉलजी पर महारथ पा सकता है?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारत के लिए, दक्षिण कोरिया के बुसान में एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) में डॉनल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच हुआ दुर्लभ पृथ्वी समझौता राहत भी है और चुनौती भी। इस समझौते में चीन के नए निर्यात नियंत्रणों को एक साल के लिए निलंबित करने के बदले में अमेरिका द्वारा मामूली टैरिफ राहत प्रदान की गई है। यह समझौता भारत की स्वच्छ प्रौद्योगिकी, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति की स्थिरता प्रदान करता है। फिर भी, यह एक नाज़ुक स्थिति को उजागर करता है: भारत अब भी उन दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के प्रसंस्करण के लिए चीन पर निर्भर है, जो इसके पास प्रचुर मात्रा में हैं।

दुर्लभ पृथ्वी तत्व में 17 धातुएं हैं, जिनमें नियोडिमियम, डायसप्रोसीयम, और प्रासीडीमियम शामिल हैं। ये आधुनिक जीवन के लिए जरुरी हैं और ईवी मोटर्स, पवन चक्की, स्मार्टफोन और मिसाइल प्रणालियों का संचालन करती हैं। हालांकि ये सच में "दुर्लभ" नहीं हैं, पर इनका शुद्धिकरण जटिल और प्रदूषणकारी होता है, लेकिन इस क्षेत्र में चीन ने दशकों पहले महारत हासिल की थी। आज, बीजिंग इन तत्वों के प्रसंस्करण का विश्वभर में लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रित करता है, जो उसे अप्रतिम भू-राजनीतिक प्रभाव प्रदान करता है।

बुसान समझौता उस प्रभुत्व को केवल विराम देता है। चीन ने एक साल के लिए निर्यातों को जारी रखने पर सहमति दी, जिससे आपूर्ति में व्यवधान के डर को कम किया गया। वॉशिंगटन के लिए यह एक रणनीतिक युद्धविराम है; बीजिंग के लिए यह एक ऐसा रुख है, जिसका मूल्य बहुत कम है। भारत के लिए, यह राहत इस बात को उजागर करती है कि इसे खनिज संपत्ति को औद्योगिक ताकत में बदलने के लिए अब भी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।

भारत के समुद्र तटों की रेत में विशाल मोनोजाइट जमा हैं, सात मिलियन टन से अधिक दुर्लभ पृथ्वी तत्व आक्साइड, जो विश्व के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। फिर भी, देश की शोधन क्षमता न्यूनतम है। सरकार के स्वामित्व वाली आई आर ई एल लिमिटेड बुनियादी निष्कर्षण का प्रबंधन करती है, लेकिन उच्च-शुद्धता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार चुनाव को लहर विहीन चुनाव माना जा रहा है, अतः विद्रोही उम्मीदवार खूब पनप रहे हैं

वैसे हर चुनाव में विद्रोही उम्मीदवार सरदर्द बनते हैं, पार्टियों के लिए, पर इस बार कुछ फर्क है

- जदयू, आरजेडी व भाजपा गठबंधनों में कांटे की टक्कर मानी जा रही है। अतः विद्रोही उम्मीदवारों की भूमिका निर्णायक हो सकती है।
- यह तथ्य स्वीकार करते हुए सभी पार्टियों ने विद्रोही उम्मीदवारों को पार्टी से निकालने का रास्ता अपनाया है।
- जदयू अब तक सोलह नेताओं को निकाल चुका है, पार्टी से। भाजपा लगभग बीस, आरजेडी सत्ताइस वरिष्ठ नेताओं की पार्टी सदस्यता खत्म कर चुकी है। इन नेताओं में पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक भी शामिल हैं।
- कांग्रेस ने यह रास्ता नहीं अपनाया है, पर, असंतोष चरम पर है। हाल ही में पटना एयरपोर्ट पर दो प्रतिद्वंदी धड़े भिड़ गए, लाठी-भाटा जंग भी हुआ।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। सर्वेक्षणों में एनडीए और महागठबंधन के बीच कड़ी टक्कर का अनुमान लगाए जाने के साथ ही, बिहार में एक दिलचस्प सवाल महत्वपूर्ण बन गया है कि "बागी" प्रत्याशी संबंधित राजनीतिक गठबंधनों के की संभावनों बनायेंगे या बिगाड़ेंगे।

विद्रोही ज्यादातर वे हैं, जिन्हें चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का चुनाव चिन्ह नहीं मिला। ऐसे लोग पहले भी अपने-अपने दलों के लिए सिरदर्द साबित हुए हैं। इस बार फर्क यह है कि टिकट वितरण में असंतोष के कारण, सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को कई नेताओं, जिनमें वरिष्ठ विधायक भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस सूर्यकांत सीजेआई नियुक्त

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। न्यायमूर्ति सूर्य कांत को उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें देश का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। विधि और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरूवार को एक

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें देश का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया। मौजूदा सीजेआई गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे है और जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को शपथ लेंगे।

सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति सूय कांत 24 नवम्बर को पद की शपथ लेंगे। वह मौजूदा मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई का स्थान लेंगे जो 23 नवम्बर को सेवानिृत हो रहे हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने कुछ ही दिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व में तीसरे शीत युद्ध की तैयारी शुरु हो गई है?

ट्रंप ने पुनः न्यूक्लियर टैस्टिंग की शुरुआत करने की घोषणा की

- उनका तर्क था कि न्यूक्लियर टैस्टिंग करके वे न्यूक्लियर बम बनाएंगे, जिससे वे अन्य देशों, रूस व चीन से, न्यूक्लियर बम की संख्या में पीछे न रह जाएं।
- रूस ने 1990 से, अमेरिका ने 1992 व चीन ने 1996 में न्यूक्लियर संधि की पालना करते हुए न्यूक्लियर टैस्टिंग बंद कर दी थी।
- अमेरिका व रूस दोनों देशों के पास 1550 न्यूक्लियर बम हैं। चीन के पास लगभग एक हजार और अब नए खिलाड़ी भी आ गए हैं, जैसे भारत, पाक, नॉर्थ कोरिया, इज़रायल। अतः शीत युद्ध के बाद पुनः यह प्रतिस्पर्धा शुरु होना खतरे की घंटी है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। ऐसा लग रहा है मानो दुनिया एक बार फिर अनजाने में उस दौर की ओर बढ़ रही है, जहाँ परमाणु तबाही का खतरा मंडरा रहा है।

परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच फिर से परीक्षण शुरू करने और अपने भंडार बढ़ाने की होड़ मच गई है। इससे लगता है कि शीत युद्ध की सोच फिर लौट आई है

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने आज घोषणा की कि अमेरिका फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करेगा, रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंदी देशों की बराबरी करने के लिए।

यह कदम तीनों परमाणु महाशक्तियों, अमेरिका, रूस और चीन के बीच नए सिरे से प्रतिस्पर्धा शुरू कर सकता है, जिनके पास दुनिया के सबसे बड़े परमाणु भंडार हैं।

यह एक बेहद महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि इससे 1990 के दशक में बनी वह पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बिखर जाती है, जो परमाणु हथियारों के भंडारण और प्रयोग को नियंत्रित करती थी।

इस कदम की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1990 के दशक की शुरुआत से अब तक किसी बड़े परमाणु देश ने वास्तविक परमाणु परीक्षण नहीं किया था, रूस ने 1990 के बाद, अमेरिका ने 1992 के बाद और चीन ने 1996 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया।

आज अमेरिका द्वारा परमाणु परीक्षण फिर शुरू करने की घोषणा दरअसल रूस द्वारा हाल ही में किए गए उन्नत परमाणु हथियार परीक्षणों का जवाब है। रूस और अमेरिका के बीच संबंधों में आई कड़वाहट के बाद यह स्थिति बनी है। इस बीच चीन भी चुपचाप अपनी परमाणु क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

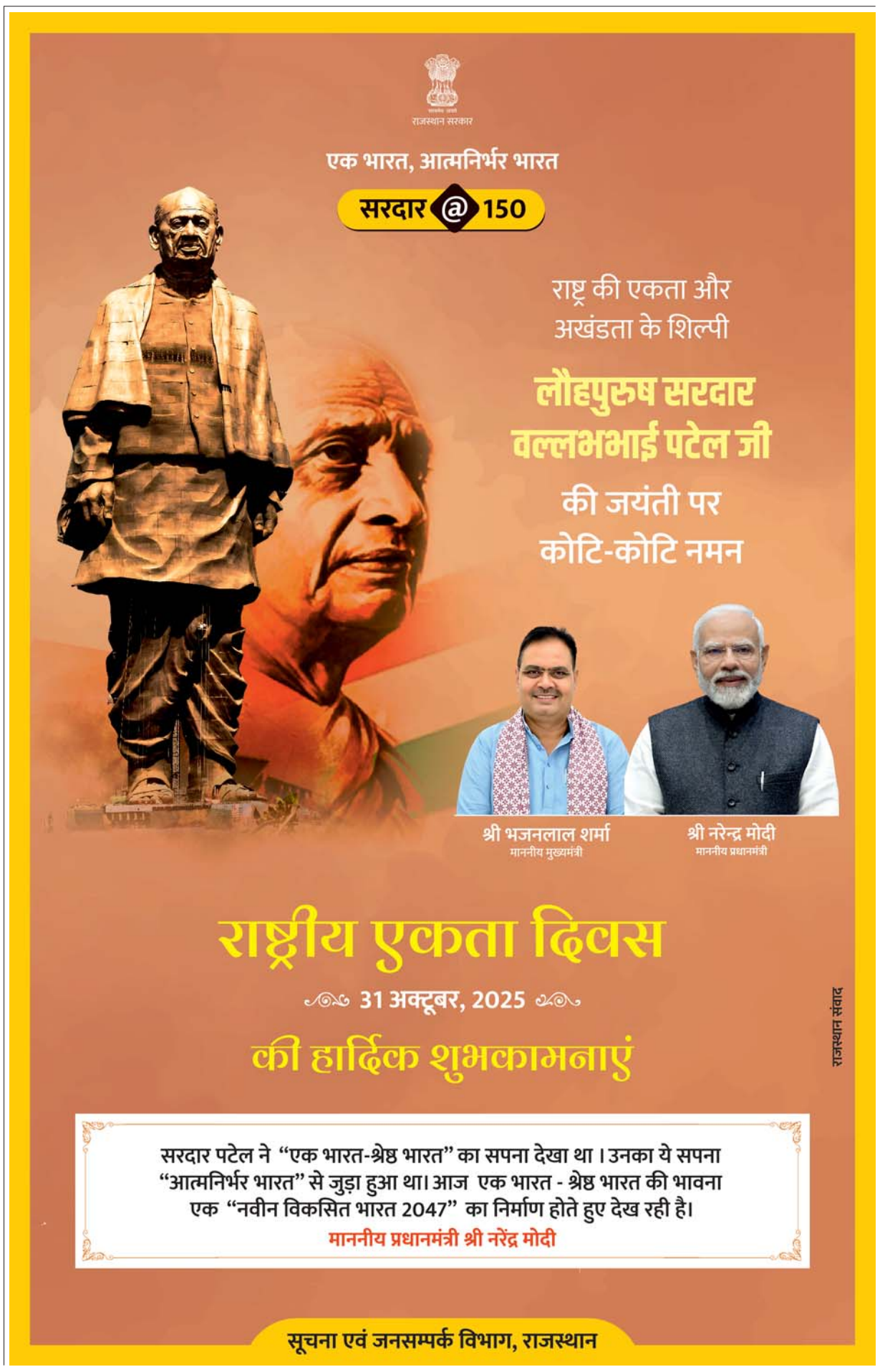

विचार बिन्दु

अधिकार जताने से अधिकार सिद्ध नहीं होता। –टैगोर

तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा की एक सीट से चुनाव लड़ रहे हैं यदि वे जीत जाते हैं और उन्हें मजिस्ट्रेट कोर्ट से सजा होती है तो क्या वे पद पर बने रहेंगे?

अनुच्छेद 170 के अनुसार प्रत्येक राज्य में एक विधानसभा होगी। विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्षों के लिये होगा। विधानसभा के चुनाव में खडे होने के लिये व्यक्ति अर्हित तभी होगा जब वह अनुच्छेद 173 व संसद के कानून के तहत् वर्णित अर्हितायें की पूर्ति करता हो। विधानसभा के सत्र का अवसान व विघटन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 172 के अनुसार किया जाता है। फिर नये चुनाव की घोषणा की जाती है। अनुच्छेद 190 के अनुसार विधानसाभा व सदस्य उस समय नहीं रहेगा यदि वह निरर्हता से ग्रस्त हो जावेगा, जिनका उल्लेख अनुच्छेद 191 के खण्ड (1) या खण्ड (2) में किया गया है। अनुच्छेद 191 के उपखण्ड (म) में यह उल्लेख है कि 'यदि वह संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस प्रकार निरर्हित कर दिया जाता है। संसद द्वारा पारित किया गया कानून जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 है। अनुच्छेद 190 में यह व्यवस्था है कि यदि कोई विधायक उक्त जन प्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 के तहत् निरर्हित किया जाता है तो विधानसभा का स्थान रिक्त हो जायेगा।

अनुच्छेद 192 के अनुसार यदि यह प्रश्न उठता है कि राज्य की विधानसभा का काई सदस्य अनुच्छेद 191 के खण्ड (1) में वर्णित किसी निरर्हता से ग्रस्त हो गया है या नहीं तो प्रश्न राज्यपाल को विनिश्चय के लिए निर्देशित किया जावेगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा। राज्यपाल के अपेक्षा है कि वे निर्णय से पूर्व चुनाव आयोग की राय लेंगे और राय के अनुसार कार्य करेंगे।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (संक्षेप में आर.पी. अधिनियम) की धारा 8 के अनुसार यदि संसद या विधानसभा का सदस्य दोष सिद्ध (Conviction) होता है और दो वर्ष से कम की सजा नहीं होती है तो वह निरर्हता से ग्रस्त हो जाता है और यह निरर्हता दोष सिद्धि की तारीख से प्रारम्भ होगी और सजा काटने के बाद 6 वर्ष तक की निरन्तर रहेगी।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(1) में निम्नलिखित कानूनों की धाराओं में कन्वीक्शन होता है तो निरर्हता स्वत: मानी गई है यह निरर्हता कन्वीकशन की तारीख से सजा काटने के बाद जेल से छूटने की तारीख से 6 वर्षों तक रहेगी:-

(1) धारा 153ए आईपीसी (धर्म के नाम पर वैमनस्य)
(2) धारा 171ई, घूस देना
(3) धारा 171एफ आईपीसी
(4) धारा 171(सी) व धारा 171(1) आईपीसी
(5) धारा 376, 376ए से डी, धारा 498ए आईपीसी
(6) अपराध अन्तर्गत प्रिवेन्शन ऑफ सिविल राइट्स एक्ट, 1955
(7) प्रिवेन्शन ऑफ करप्शन एक्ट, 1988 आदि

आर पी अधिनियम 1951 की धारा 8(2) में चुनाव से सम्बन्धित अपराधों के मामलों में चुनाव से सम्बन्धित अपराधों के मामलों में निरर्हता ग्रस्त होने का उल्लेख है। जैसे धारा 125, धारा 135, धारा 135ए व धारा 136(2) व (3), धारा 8(3) आर पी अधिनियम के अनुसार यह व्यवस्था है कि यदि अपराध की सजा दो वर्ष से कम की नहीं है तो वह कन्वीक्शन की तारीख से प्रारम्भ होकर सजा काटने के बाद 6 वर्षों की अवधि तक रहेगा। जैसे चोरी का अपराध, मानहानि व धोखाधडी (Cheating) का अपराध आदि।

राजद के लीडर तेजस्वी यादव (जो महागठबन्धन के सम्भावित मुख्यमंत्री हैं) के विरूद्ध Cheating (धोखाधडी) आदि का केस दिल्ली की मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा है। उनके विरूद्ध आरोप है कि उन्होंने और लालूजी यादव के परिवार के सभी सदस्यों ने जब लालूजी देश के रेलमंत्री थे, बिहार के लोगों की जमीन बहुत कम कीमत में खरीदी थी। जमीनों के मालिकों को प्रलोभन दिया था, Misrepresent किया था, धोखे में रखा था कि वे उन्हें राज्य की नौकरी दिलायेंगे। ये तथ्य धारा 420 आईपीसी के अपराध का दोषी तेजस्वी को बनाते हैं। मजिस्ट्रेट ने 420 आईपीसी आदि के चार्ज तेजस्वी के विरूद्ध आरोपित किये हैं। तेजस्वी के विरूद्ध आईपीसी के अपराध 420 आदि के चार्जेज आरोपित हो चुके हैं और ट्रायल दिनांक 27.10.2025 से प्रारम्भ हो चुकी है, जिसका अर्थ है Prima Facie केस बनता है अत: ट्रायल होनी है।

लेखक के एक मित्र ने जो राज्य सरकार के एक उच्च पदाधिकारी रह चुके हैं, ने पूछा कि जब तेजस्वी के विरूद्ध चार्ज स्थापित हो चुके हैं तो फिर वे चुनाव कैसे लड सकते है? लेखक ने विनम्रता से उन्हें समझाया कि चार्ज आरोप होना आरोप सिद्ध नहीं है वह तो ट्रायल के पूरा होने पर ही उपलब्ध शहाद के आधार पर दोष सिद्ध होता है।

बिहार में चुनाव प्रारम्भ हो चुके हैं और तेजस्वी (राजद के नेता) चुनाव में एक उम्मीदवाद हैं वे यदि चुनाव में जीत जाते हैं और विधायक बन जाते हैं तथा बनने के बाद धारा 420 आईपीसी के अपराध का दोषी उन्हें माना जाता है तो संविधान के उपरोक्त प्राधानों के अनुसार विधयक बने रहने के हेतु निरर्हता से ग्रसित हो जावेंगे और विधायक की उनकी सीट रिक्त घोषित हो जावेगी। इसके अतिरिक्त चुनाव में भी वे ऐसे कार्य कर रहे हैं, जो चुनाव अपराधों में आते हैं। मौखिक कथन व भाषणों में धर्मों, जाति, कॉम्यूनिटी (समुदायों) आदि के मध्य घृणा की भावना फैलाई जा रही है यह कृत्य क्रमश: जनप्रनिधित्व कानून की धारा 125 व आईपीसी की धारा 153ए तथा धारा 505 आईपीसी के तहत् अपराध है। उनके अन्य कृत्य आईपीसी की धारा 420 के तहत् भी अपराध है और इनकी सजा दो वर्ष से कम नहीं है वे निरर्हता से ग्रसित हो जावेंगे और उनकी विधायक की सीट स्वत: रिक्त मान ली जावेगी तथा कन्वीक्शन की तारीख से यह निरर्हता निरन्तर 6 वर्षों के लिये मानी जावेगी।

धारा 8(3) के तहत् वे अपराध आते हैं जिनमें यदि सजा दो वर्ष से कम की नहीं है। उदाहरण के लिये यदि कोई अपराध धारा 8(1) अथवा 8(2) के तहत् आता है जैसे मानहानि या चोरी या धोखाधडी और सजा दो वर्ष से कम की नहीं है तो भी उसे अयोग्य (निरर्हता ग्रसित) घोषित किया जा सकता है।

चुनाव में जो व्यक्ति खडे.हुये हैं, उन्होंने यदि कोई चुनाव सम्बन्धित अपराध किया है अथवा उनका कृत्य करप्ट प्रेक्टिस (भ्रष्ट आचरण) की परिभाषा में आता है अथवा ऐसे कार्य किये हैं जो कानूनी तौर पर औचित्य हीन व प्रतिबंधित हैं या आपराधिक प्रवृत्ति के हैं तो उनके विरूद्ध चुनाव याचिका प्रस्तुत की जा सकती है और ऐसे कृत्य सिद्ध होना पाये जाते हैं तथा इनके घटित किये जाने से चुनाव का नतीजा प्रभावित हुआ है, तो हाईकोर्ट को जिसे चुनाव याचिका की सुनवाई करने का अधिकार है, उसे चुनाव रद्द करने का अधिकार प्राप्त है तथा उस व्यक्ति को करप्ट प्रेक्टिस में भाग लेने के कारण 6 वर्ष तक की अवधि के लिये प्रतिबंधित किया जा सकता है। नेताओं द्वारा जो लोक लुभावने वायदे फ्रीबीज के किये जा रहे हैं कानूनी दृष्टि से ये कृत्य आर.पी. एक्ट 1951 की धारा 123 के तहत् परिभाषित Corrupt Practice माना जा सकता है। इस संबंध में चुनाव याचिका अथवा फौजदारी कार्यवाही करना ही सही कानूनी प्रक्रिया है। लोकतंत्र में चुनाव Fair होने चाहिये; किन्तु Free Beej की यानी घूस (Bribe) की आंधी से लोकतंत्र अपना सही मार्ग भूल गया है। चुनाव का यह नियम है कि यदि कोई निरर्हता ग्रसित होता है तो प्राप्त वोट, ऐसे माने जावेंगे, मानो वे रद्दी की टोकरी में डाल दिये गये हैं। यदि विधायक ने जन प्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 की धारा 8(1) के अपराध किये हैं तो उसे निरर्हता ग्रसित (Disqualify) अर्थात् चुनाव लडने से अयोग्य घोषित किया जा सकता है। यह अयोग्यता कन्वीक्शन की तारीख से 6 वर्ष तक रहेगी। यह अयोग्यता स्वत: ही होगी, जिसमें यह भी आवश्यक नहीं है कि उसे सजा 2 वर्ष से कम की नहीं है। इस केटेगरी में धारा 153ए आईपीसी (दो समुदायों में धर्म, जाति के नाम पर घृणा फैलाना) रिश्वत देना (धारा 171 सी आईपीसी), रेप आदि के Offence आते हैं। चुनाव कानून के (आर पी एक्ट) के अपराध जैसे धारा 125, धारा 135, 135ए आदि हैं इनमें भी अयोग्यता स्वत: है।

धारा 8(3) के तहत् वे अपराध आते हैं जिनमें यदि सजा दो वर्ष से कम की नहीं है। उदाहरण के लिये यदि कोई अपराध धारा 8(1) अथवा 8(2) के तहत् आता है जैसे मानहानि या चोरी या धोखाधडी और सजा दो वर्ष से कम की नहीं है तो भी उसे अयोग्य (निरर्हता ग्रसित) घोषित किया जा सकता है।

तेजस्वी यादव के विरूद्ध Cheating का अपराध है, यदि वे कन्वीक्ट होते हैं और सजा दो वर्ष से कम नहीं है तो वे अयोग्य होंगे यानी निरर्हता ग्रसित होंगे और उनकी सीट स्वत: रिक्त हो जावेगी। यदि Cheating (420 IPC) में सजा 2 वर्ष से कम है तो अयोग्यता स्वत: नहीं होगी हाँ राजनीतिक पार्टी या हाउस उनके विरूद्ध कोई भी घरेलू कार्यवाही के बाद कोई दण्ड दे सकती है।

राहुल गांधी के विरूद्ध धारा 500 भा.द.सं. के मानहानि के केस में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने उनके कन्वीक्शन को (सजा को ही नहीं) निलम्बित किया था वह भी सीआरपीसी के अपने विशेष अधिकार के तहत् धारा 389 अत: उनकी सदस्यता पुन: रेस्टोर (बहाल) हो गई। यहाँ यह लिखना भी उचित होगा कि आर पी एक्ट 1951 की धारा 8(4) में एमपी/एमएलए को 3 माह का समय अपील दायर करने का दिया गया है किन्तु यह प्रावधान लीली थोमस के केस (2013) 7 एससीसी 653 में सुप्रीम कोर्ट की तीन पीठ ने असंवैधानिक करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट की उस माननीय पीठ ने, कन्वीक्शन को निलम्बित किया उसके समक्ष लीली थोमस का केस किसी भी पक्षकार पार्टी के सुयोग्य एडवोकेट ने रेफर नहीं किया ऐसा प्रतीत होता है। लीली थोमस का केस आर पी एक्ट की धारा 8(3) के अनुसार स्वत: (Self Executing) तथा Automatic माना गया था तथा सीट के रिक्त होने के विषय को अनुच्छेद 101(3)/190(3)(a) के सन्दर्भ में परखा गया था तथा धारा 8(4) का लाभ नहीं दिया था। जब तक सुप्रीम कोर्ट लीली थोमस के केस को पुन: सुनकर रिवर्स न करे, देश का कानून तो वही रहेगा। अत: इसका रिव्यू न्यायहित में होना आवश्यक है।

अनुच्छेद 101 का सम्बन्ध सांसद की सदस्यता से है और अनुच्छेद 190 विधायक के सम्बन्ध में है। धारा 420 आईपीसी (Cheating) का व मानहानि का अपराध धारा 500 आईपीसी पुरानी भारतीय दण्ड संहिता से है, इन्हें नये कानूनों की धाराओं के साथ समझकर, पाठक अध्ययन करें।

लेखक का अभिमत है कि कन्वीक्शन को स्टे किया, जब वह प्रभावशील हो चुका था। कन्वीक्शन के कारण सांसद की सीट रिक्त हो चुकी थी और धारा 8(4) आर.पी. एक्ट स्वंय ही असंवैधानिक होने से अस्तित्व खो चुकी थी। शास्त्रों का सिद्धान्त है शून्य में से न घटाया जा सकता है और न जोडा जा सकता है।

बिहार के प्रथम चरण के चुनाव जो 6 नवम्बर से प्रारम्भ होंगे, उनमें 121 सीटों के चुनाव के 27: उम्मीदवारों पर गम्भीर आपराधिक आरोप हैं, यों 32: उम्मीदवारों पर आपराधिक केसेज हैं। अत: प्रस्तुत प्रसंग केवल तेजस्वी यादव का ही नहीं है अपितु सभी राजनीतिक पार्टियों का है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) व बिहार इलेक्शन सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार राजद के 76:, भाजपा के 65: तथा कांग्रेस के 65: ऐसे उम्मीदवार हैं जिनके विरूद्ध फौजदारी के मुकदमें हैं। प्रथम चरण में 1314 उम्मीदवार हैं उनमें से 1303 ने शपथ-पत्र पर इसे स्वीकार किया है। इनमें से 423 ऐसे हैं, जिनके विरूद्ध फौजदारी व 354 के विरूद्ध गम्भीर अपराधों के आरोप हैं।

पाठक स्वंय मूल्यांकन करें, यदि इन्हें सजा होती है तो कानून की पृष्ठभूमि में बिहार के चुनाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा?

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

अखंड भारत की एकता के शिल्पी "सरदार वल्लभभाई पटेल"

राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर) पर विशेष - सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प "एक भारत-श्रेष्ठ भारत-आत्मनिर्भर भारत" को साकार करने का अवसर

डॉ. गोरधन लाल शर्मा

राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अखंड भारत की आत्मा को नमन करने का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम स्वतंत्र भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रिनर्माण के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अदम्य संकल्प, दूरदर्शिता और संगठन कौशल को स्मरण करते हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को उसकी भौगोलिक और राष्ट्रीय एकता प्रदान की।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी-संकल्प और श्रद्धा का प्रतीक :-गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर स्थित, 182 मीटर ऊँची, दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल स्टील और कंक्रीट से बनी एक स्मारक नहीं अपितु यह उस व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है जिसने भारत को उसकी क्षेत्रीय आत्मा दी। यह उन मूल्यों की याद दिलाता है जो हमें एक राष्ट्र के रूप में जोड़ते हैं। हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्र अपने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए रुकता है। उनकी दूरदर्शिता, साहस और कूटनीतिक कौशल ने एक खंडित उपमहाद्वीप को एक अखंड देश में बदल दिया। इस दिन को एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो न केवल पटेल के नेतृत्व को बल्कि विविधतापूर्ण होते हुए भी अविभाज्य भारत के चिरस्थायी विचार को भी ट्रिब्यूट है।

देश में पनपने वाले क्षेत्रवाद, सांप्रदायिक विभाजन और राजनीतिक ध्रुवीकरण हमारी सामूहिक भावना की परीक्षा लेते रहते हैं, सरदार पटेल का मूलमंत्र 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विचार आज भी हमारा मार्गदर्शक बना हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि भारत की महानता समानता में नहीं बल्कि साझा मूल्यों और पारस्परिक सम्मान के माध्यम से अनगिनत मतभेदों को एक साथ रखने की उसकी क्षमता में निहित है।

राष्ट्र को जोड़ने वाली लौह इच्छाशक्ति :-वर्ष 1947 में जब भारत को आज़ादी मिली तो जश्न के साथ एक बड़ी चुनौती भी आई। अंग्रेज़ 562 रियासतें छोड़ गए थे, जिनमें से हर एक के अपने शासक और आकांक्षाएं थीं। अखंड भारत का सपना आसानी से अराजकता और विभाजन में बदल सकता था। जब देश में अंग्रेज़ों की फूट डालो-राज करो की नीति का जहर घोल रहे थे, उस महत्वपूर्ण क्षण में सरदार पटेल राष्ट्रीय एकीकरण के सूत्रधार के रूप में आगे आए। दृढ़ता और कूटनीति के अद्भुत मिश्रण से, उन्होंने अधिकांश शासकों को भारत में विलय के लिए राजी कर लिया और विरोध करने वालों से निर्णायक रूप से समर्पण करवा दिया। हैदराबाद, जूनागढ़ और अन्य दुर्गम क्षेत्रों से निपटने में उनके संयम, चातुर्य और दृढ़ इच्छाशक्ति का संगम देखने को मिला। सरदार पटेल की सफलता केवल प्रशासनिक ही नहीं थी, यह दूरदर्शी भी थी।

सांझी सांस्कृतिक विरासत और संस्थागत एकता के संवाहक :-सरदार पटेल की सांझी सांस्कृतिक विरासत को इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। यह देश की संरचना, देश की सिविल सेवाओं में, इसके संघीय ढाँचे में और इसके राष्ट्रीय चरित्र में समाहित है। अपने सार्वजनिक जीवन में उनका अनुशासन, कर्तव्य और राष्ट्रिहत पर हमेशा फोकस रहता था जो आज भी हमारे सार्वजनिक जीवन का मार्गदर्शन करता है।

एकता दिवस का अर्थ और प्रासंगिकता :-एकता दिवस मनाने का अर्थ है राष्ट्रवाद के उस विचार का उत्सव मनाना जो जाति, पंथ, भाषा या क्षेत्र की सभी बाधाओं से परे है। यह प्रत्येक नागरिक से संकीर्ण निष्ठाओं से ऊपर उठकर भारत के व्यापक आदर्श के प्रति प्रतिबद्ध होने का आव्हान करता है। हर साल इस दिन को मनाते हुए हमें याद रखना चाहिए कि एकता विरासत में नहीं मिलती, इसे पोषित करना होता है। यह एक रोज़मर्रा की ज़िम्मेदारी है कि हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करें, विविधता का सम्मान कैसे करें और राष्ट्र को स्वार्थ से ऊपर कैसे रखें। सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमें एक अखंड भारत दिया। इसे सशक्त, समावेशी और जीवंत बनाए रखने का दायित्व हम पर है। एकता दिवस की भावना हमें याद दिलाती है कि केवल एक अखंड भारत ही वास्तव में एक महान भारत, एक भारत, महान भारत बन सकता है।

कांस्य में डाली गई एक विरासत :-2018 में अपने उद्घाटन के बाद से, यह प्रतिमा वार्षिक राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का केंद्र बन गई है, जहाँ देश भर से नागरिक, पुलिस व सैन्य बलों के सदस्य, युवा समूह और सांस्कृतिक कलाकार आते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले एकता दिवस संबोधन में कहा था, स्टेच्यू ऑफ़ यूनिटी अतीत का स्मारक नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक प्रतिज्ञा है।

संस्थागत विकास से डाली सशक्त भारत की नींव :-सरदार पटेल का एकता का दृष्टिकोण मज़बूत संस्थाओं पर उनके ज़ोर से जुड़ा हुआ था। अखिल भारतीय सेवाओं का गठन प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करने का एक सोचा-समझा प्रयास था। अधिकारियों के पहले बैच को दिए गए उनके शब्द, जनता की सेवा और राष्ट्र की अखंडता की भावना बनाए रखें आज भी शासन में एक मार्गदर्शक सिद्धांत बने हुए हैं।

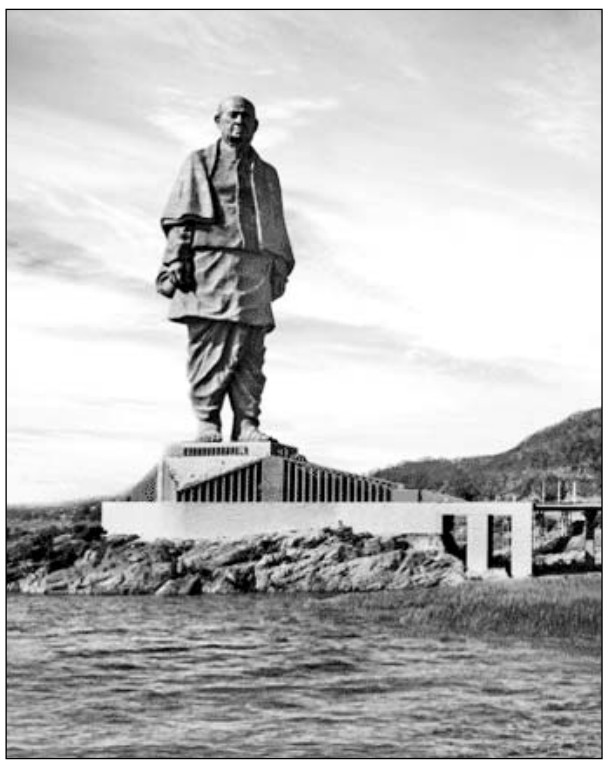

सुशासन के लिए दी स्टील फ्रेम ऑफ इण्डिया की अवधारणा :-21 अप्रैल, 1947 को नई दिल्ली के मेटकाफ हाउस में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम बैच को संबोधित करते हुए सरदार पटेल ने कहा था आप भारत के स्टील फ्रेम हैं, आप पर इस राष्ट्र की एकता और सुशासन का दायित्व है। उनके इसी संदेश की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अप्रैल को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है, जहाँ शासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। यह परंपरा उनके सुशासन और जवाबदेही के सिद्धांतों की जीवंत विरासत है।

विकसित भारत 2047 का संकल्प :-जैसे-जैसे भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, एकता का असली पैमाना भौतिक भूभाग नहीं, बल्कि साझा उद्देश्य है। जिस विचार ने कभी 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोया था, अब उसे 145 करोड़ सपनों को एक सूत्र में पिरोना होगा। सरदार पटेल की दूरदर्शिता 1947 में स्थिर नहीं हुई थी-यह भविष्यसूचक थी। एकता का उनका आ ान आज भी भारत का राष्ट्रीय दिशासूचक है।

इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों पर चलते हुए भारत की विविधता में एकता, सांस्कृतिक गौरव, स्वदेशी मूल्यों, अखंडता और गौरवमयी इतिहास की ज्योति को प्रज्वलित कर सरदार पटेल के "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के सपने को सदा जीवंत रखेंगे।

डॉ. गोरधन लाल शर्मा
समाजशास्त्री, लेखक एवं
राजस्थान प्रशासनिक सेवा के
वरिष्ठ अधिकारी।

ग्रामीण व शहरी सेवा शिविर : सुशासन की अवधारणा को नई दिशा

राजेंद्र गहलोत

राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित किए गए सेवा शिविरों का उद्देश्य प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक सुशासन और सुविधा पहुंचना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह पहल एक ऐतिहासिक बदलाव की ओर संकेत करती है, जहां प्रशासन अब आमजन की दहलीज पर जाकर उनकी ज़रूरतें पूरी कर रहा है। सेवा शिविर न केवल तात्कालिक प्रशासनिक सुविधा हैं, बल्कि वे सुशासन की अवधारणा को भी नई दिशा देते हैं।

इन शिविरों की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर की गई, जिससे यह अभियान सेवा और सुशासन की राष्ट्रव्यापी अवधारणा से जुड़ गया। शिविरों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां 18 विभागों की सेवाएं एक ही छत के नीचे आमजन को उपलब्ध हो रही है। पहले आम नागरिकों को सरकारी प्रमाण पत्र, पट्टे, पेंशन, बिजली या अन्य शिकायतों के लिए दफ्तर-दफ्तर भटकना पड़ता था। अब एक ही स्थान पर, शिविर स्थल पर, तत्काल समाधान मिल रहा है। इससे देरी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी कम हो रही हैं। इन शिविरों में नामांतरण, जाति प्रमाण पत्र वितरण, भू-राजस्व शुद्धिकरण, मूल निवास प्रमाण पत्र, जन आधार आदि के कुल 18 प्रमुख प्रशासनिक कार्य संपन्न किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, 2.04 लाख से ज्यादा जाति प्रमाण पत्र, 1.53 लाख भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरण, 1.24 लाख नामांतरण निस्तारण, 1.72 लाख मूल निवास प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं।

ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से जारी है। सभी पंचायतें कवर करने के लिए हर हफ्ते गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को दो ग्राम पंचायतों में शिविर लगते हैं। राजस्व विभाग द्वारा मौके पर ही नामांतरण, नोटिस तामील, प्रमाणपत्र वितरण, आदि कार्य पूरे किए जा रहे हैं।

ग्रामीण विकास विभाग गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत बीपीएल सर्वे कर रहा है, जबकि स्वास्थ्य विभाग टीबी मुक्त भारत, मातृ-शिशु स्वास्थ्य जांच जैसी योजनाएं चला रहा है। पशुपालन विभाग ने मवेशियों के लिए 2.60 लाख से ज्यादा बीमा पॉलिसियां जारी कर चुका है। कृषि विभाग बीज किट वितरित करता है और आपदा प्रबंधन विभाग राहत राशि मंजूर कर रहा है।

शहरी क्षेत्रों में शिविर न केवल प्रशासनिक कार्यों को त्वरित गति कर रहे हैं, बल्कि शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर में भी सुधार ला रहे हैं। सड़क मरम्मत, नालियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत व नई लाइट्स लगाने के साथ प्रमुख चौराहों और पार्कों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। नगर निकायों में जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण, भवन निर्माण स्वीकृति, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टों के प्रकरणों का निस्तारण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आवेदन आदि महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य भी किए जा रहे है। शहरी और ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से 1.95 लाख से अधिक पट्टा वितरण, 2.60 लाख मवेशी बीमा पॉलिसियां, 2.04 लाख जाति प्रमाण पत्र वितरण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार 1.98 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन के प्रकरण, 1.48 लाख जनधन खातों का संचालन, 1.42 लाख नई स्ट्रीट लाइट्स लगाना, 17 लाख किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया जांच की जा चुकी है। शिविरों मे 24.36 लाख मरीजों का उपचार, 10.77 लाख की टीबी व एनसीडी रोग स्क्रीनिंग की गई। खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर 95,800 से अधिक आवेदन मंजूर हुए, जन आधार योजना में 1.13 लाख लोगों को लाभ, 25 हजार लोगों को स्व निधि ऋण, वय वंदन कार्ड जारी होने की संख्या 75,600 रही है। इन शिविरों से आमजन को त्वरित समाधान और राहत मिली है। नामांतरण, जाति व निवास प्रमाणपत्र या बिजली-बिल जैसी वर्षों से लंबित समस्याएं कुछ घंटों में निस्तारित की जा रही है। इससे न केवल जनता का सरकार पर विश्वास मजबूत हुआ है, बल्कि प्रशासनिक इकाइयों की कार्यकुशलता में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने नगरीय निकायों में विशेष रियायतें भी दी हैं। सबसे अहम यह कि बकाया लीज राशि यदि एकमुश्त दी जाती है तो ब्याज में 100ः छूट मिलेगा। यह वर्षों से लंबित मामलों में दबे हजारों नागरिकों, व्यापारियों व परिवारों के लिए सीधी राहत है। ऐसे प्रयोग सार्वजनिक प्रशासन के प्रति जनता में सकारात्मकता और सहभागिता बढ़ाते हैं।

पारदर्शिता, सरलता और व्यापक स्तर पर आयोजित इन शिविरों में की गई घोषणाओं व निस्तारण का अमल जमीनी स्तर पर भी उतना ही पुख्ता करने के लिए सतत निगरानी और मूल्यांकन भी किया जा रहा है। सेवा शिविर प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही, कार्यकुशलता और नागरिक सहभागिता का मिला जुला उदहारण बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोच है कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं और विकास का लाभ पहुंचे। इसी भावना के अनुरूप सेवा शिविर न केवल प्रशासनिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम हैं, बल्कि 'अंत्योदय' की संकल्पना को भी साकार कर रहे हैं।

-राजेंद्र गहलोत,
सांसद, राज्यसभा

राशिफल शुक्रवार 31 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 6:51 तक, वृद्धि योग रात्रि 4:32 तक, कौलव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 6:48 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज आंवला नवमी, श्री हरि जयन्ती कृत युगादि, मथुरा प्रदक्षिण है। पंचक प्रात: 6:48 से आरम्भ होंगे। आज जग धात्री पूजा (बंगाल में) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:02 तक, लाभ-अमृत 8:02 से 10:48 तक, शुभ 12:10 से 1:33 तक, चर 4:19 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:40, सूर्यास्त 5:41 तक

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। आज घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटके कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित मामलों में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
व्यक्तिगत कारणों से भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का भय है।

वृश्चिक
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

सार-समाचार

आमुखीकरण कार्यशाला संपन्न

सीकर (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अजीतगढ़ के सभागार में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत अजीतगढ़ ब्लॉक का एकदिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजित की गई। ब्लॉक साक्षरता समन्वयक हेमंत कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मोहनलाल कुड़ी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अजीतगढ मुख्य अतिथि रहें। उन्होंने नव वर्ष भारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला और बताया की यह कार्यक्रम 2022 से 2027 तक चलाया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से निरक्षरता को समाप्त कर शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने होंगे। मुख्य वक्ता रोहिताश यादव प्रधानाचार्य जुगराजपुरा ने कार्यक्रम के विभिन्न चरणों व उनके क्रियान्वनों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा की इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी के लिए शिक्षा है, वर्तमान समय में वित्तीय साक्षरता के साथ-साथ कानूनी साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, आपदा प्रबंधन, वाणिज्य कौशल का विकास भी बहुत आवश्यक है। व्याख्याता फूल सिंह यादव ने उल्लास मार्गदर्शीका के बारे में बताया, बनवारी लाल कुमावत ने उल्लास ऐप के बारे में विस्तृत चर्चा की, पंचायत शिक्षक विजय कुमार पारीक ने उपस्थित प्रतिभागियों को साक्षरता से संबंधित सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में अजीतगढ ब्लॉक के 24 पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी सहित 131 संभागीय ने भाग लिया। कार्यक्रम में बाबूलाल जाट, उमेश कुमार शर्मा, सुभाष चंद्र यादव ,सुरेंद्र सामोता, जमीलखान कुरेशी, गौतम शर्मा, भगवान सहाय गुर्जर, गुलाबचंद मीणा, राकेश कुमार सैनी, बाबूलाल यादव, शुभम जोशी, योगेश सैनी, अनूप कुमारी, सुशीला सैनी, कोमल सैनी, मुकेश कुमार, गोविंदसिंह, महेंद्र सैनी, सहित अनेक साक्षरता सर्वेयर मौजूद रहे।

शिविर में 150 यूनिट रक्त संग्रहित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। धन तेरस के दिन गत वर्ष 29 अक्टूबर 2024 को लक्ष्मणगढ सालासर तिराहे पर हुई भीषण बस दुर्घटना मेंमृत दिवंगतजनों की स्मृति में बुधवार को जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि उक्त भीषण दुर्घटना में सरकारी जिला अस्पताल लक्ष्मनगढ की नर्सिंग अधिकारी विनीता समेत 18 जनों की मृत्यु हो गई थी तथा अनेकों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी स्मृति में जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । उन्होंने बताया कि शिविर में 150 यूनिट ब्लड संग्रहण हुआ। इससे पूर्व दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।शिविर में मृतकों के परिजनों, समाजिक कार्यकर्ताओं,आमजन एवं चिकित्सालय स्टाफ द्वारा बेहद उत्साह के साथ रक्तदान किया गया । रक्त संग्रहण हेतु एसके अस्पताल सीकर की ब्लड बैंक टीम उपस्थित रही।इस अवसर पर दिवंगत नर्सिंग अधिकारी विनीता के परिजनों द्वारा चिकित्सालय को एक कंप्यूटर सेट एवं थ्री इन वन प्रिंटर भेंट किया गया। रक्तदान शिविर में उपनियंत्रक शीशराम चौधरी, बीसीएमओ डॉ दिनेश कस्वां, ब्लड स्टोरेज प्रभारी डॉ मनीष बेंदा, डॉ महिपाल नेहरा, नर्सिंग अधीक्षक मोहन खिंची, सीनियर नर्सिंग अधिकारी रामकरण ख्यालिया , परमेश्वर बेनीवाल , अबरार अहमद , सुमित्रा, महेंद्र फगेडिया, किशन सिंह आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

गोपाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया

पाटन (निसं)। श्री गोपाल गौशाला रायपुर पाटन में आज गोपाष्टमी का पर्व बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौमाता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा गौसेवा के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए गोस्वामनी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष देवी सिंह तंवर के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान रामसिंह तंवर, उप सरपंच अजीत सिंह, लीलू सिंह, अशोक शर्मा, शशीकांत सैनी, पूसाराम निमोरिया, प्रकाश, के. आर. धोलीवाल, महेंद्र सोनी सहित ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लेकर गौसेवा का संकल्प लिया। गौशाला परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गौमाता का पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया तथा गौसेवा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। गांव के लोगों ने इस आयोजन को अत्यंत सफल बताते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज में सेवा, एकता और सद्भावना का संदेश देते हैं।

गौपाष्टमी पर छप्पन भोग लगाया

झुंझुनूं, (निसं)। संतश्री हरिशरण जी महाराज की झुंझुनूं में भागवत कथा के दौरान सेवा कार्यों की शृंखला में गुरुवार को श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में स्व. सुशीला देवी तुलस्यान धर्मपत्नी केशरदेव तुलस्यान की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र डॉ. डीएन तुलस्यान एवं परिवारजन के सौजन्य से प्रवचन के पश्चात प्रभात फेरी एवं ईस्कान परिवार के भक्तों की उपस्थिति में गोपाष्टमी पर्व पर श्री गोपाल गौशाला में छप्पन भोग लगाकर कथावाचक संत हरिशरण जी महाराज ने गौ सेवा की। गौशाला में गोपाष्टमी पर्व पर संत हरिशरण जी महाराज ने गौ भक्तों की उपस्थिति में कुछ समय हरिकीर्तन किया एवं अपने हाथों से गौ माता को छप्पन भोग लगाकर गो सेवा की। इस अवसर पर आयोजक तुलस्यान परिवार के केशरदेव तुलस्यान, डॉ. डीएन तुलस्यान, योगेश तुलस्यान, सीए प्रशांत तुलस्यान, विनोद बेरीवाला, श्रवण बेरीवाला, पंकज बेरीवाला, विजयकुमार तुलस्यान, सुभाष जालान, निर्मल मोदी, बंटी खंडेलिया, दिनेश ढंढारिया एवं आशीर्वाद पैलेस सोसाइटी के परिवारजन सहित अन्यजन उपस्थित थे।

दुधवेवाला परिवार का किया अभिनंदन

चूरू (निसं)। गीता क्लासेज चूरू की ओर से सुभाष चौक के पास चल रही श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार को दुधवेवाला परिवार का भव्य अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम संयोजक संजय सिंघानिया ने बताया कि आचार्य जनार्दन के सानिध्य में चल रही भागवत कथा में दुधवेवाला परिवार का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर भव्य सम्मान किया गया। कथा के दौरान प्रत्येक रविवार को सराफ फाउंडेशन की ओर से चल रही गीता क्लासेज की जानकारी दी गई और आग्रह किया गया कि 3 साल से बड़े बच्चों को संस्कारित करने के लिए गीता क्लासेज में जरूर भेजें। इसके लिए चूरू में सभी स्थानों पर निःशुल्क वाहन सुविधा भी है।

श्री राजलदेसर गौशाला में गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाई

राजलदेसर (निसं)। कस्बे की श्री राजलदेसर गौशाला में 77 वा गोपाष्टमी महोत्सव बडे धूमधाम से मनाया गया। कस्बे के मैन बाजार से गौ माता की शोभा यात्रा निकाली गई जो कस्बे के मुख्य मार्गो से होती हुई गौशाला प्रांगण पहुंची शोभायात्रा में गो भक्तों ने जगह-जगह गौ माता की पूजा अर्चना की गौशाला में शोभा यात्रा पहुंचने पर गौ माता का पूजन किया गया एवं पंडित बृजेश दाधीच के सानिध्य में गो पुष्टि यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें गो भक्तों ने गौ माता की रक्षा के लिए एवं देश में खुशहाली की कामना के लिए यज्ञ में आहुतियां दी।

दोपहर को हिसार के कलाकारों द्वारा एवं स्थानीय बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया जिसमें एक से एक बढ़कर शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी साथ ही हिसार के कलाकारों द्वारा विभिन्न देवी देवताओं की जीवित झांकियां आकर्षण का केंद्र थी साथ ही कस्बे में सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थान में टॉपर रहने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र मोमेंटो भेंट करके सम्मान किया। इसके अलावा राजलदेसर कस्बे में सरकारी सेवा में लगने वाले छात्र-छात्राओं का भी अभिनंदन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार हरदीप सिंह, थाना प्रभारी कमलेश सैनी, पूर्व पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉक्टर हीरालाल सोनी, गौशाला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगतमल पांडिया, महिला कार्य समिति की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा, ट्रॉमा सेंटर के उपाध्यक्ष रामचंद्र प्रजापत के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सरकारी सेवा में लगने वाले छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, सोल,अभिनंदन पत्र, दुपट्टा, पहना कर स्वागत किया साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्रों को सम्मानित किया गया इसके अलावा 11000 से अधिक राशि देने वाले गो भक्तों का सम्मान किया गया साथ ही पूरे दिन भर गौशाला में मेला का भी आयोजन रखा गया जिसमें खाने-पीने की विभिन्न तरह की स्टाल झूले का आनंद लिया गौशाला में गोपालको का भी सम्मान किया गया।

मेघावी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया गया।

साथ ही सुबह से ही गो भक्तों ने गौशाला में गौ माता को हरा चारा, नगद राशि, दलिया, गुड आदि का भोग लगाया साथ ही पंचगव्य उत्पाद भी जमकर खरीदे इस अवसर पर गौशाला मेला आयोजन समिति के संयोजक पवन झेडू, सह संयोजक रतनलाल बारूपाल ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी गौ भक्तों ने गौशाला में जो सहयोग प्रदान किया एवं समय दिया उसके लिए सभी का आभार जताया इस अवसर पर भारती विद्यापीठ के प्राचार्य राजशेखर राजपुरोहित, पीएम श्री बालिका विद्यालय के उप प्रधानाचार्य अर्जुन मोहन, सत्यनारायण पुरोहित, गौशाला के मंत्री ललित दाधीच, उपाध्यक्ष वीरेंद्र लाटा,नंदकिशोर पांडिया, महावीर प्रसाद फोगला ,मांगीलाल प्रजापत, परमानंद प्रजापत, कोषाध्यक्ष परमेश्वर फोगला, शिव भगवान सोनी, विनोद भाटिया, हनुमान मल सोनी, पवन कुमार श्रवण कार, मनोज प्रजापत, पंडित बृजेश दाधीच, धनराज सेन, बाबूलाल दाधीच, मंगतमल दाधीच,अजीत सुथार, सीताराम गर्ग, एडवोकेट जगदीश बलानिया, राधेश्याम पांडे, जितेंद्र सैनी, कैलाश सोनी , देवकिशन सुथार , मुकेश श्रीमाल, जयचंद महावर , शंकर लाल खडोलिया, मनोज सोनी ,हरिप्रसाद प्रजापत, व्यापार मंडल अध्यक्ष विष्णु स्वामी, कमल दाधीच, विक्रम शर्मा आदि सैकडों गौभक्त उपस्थित थे।

भवन-सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष अभियान

सीकर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में भवन और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए शनिवार से प्रदेशभर में एक माह तक सघन निरीक्षण अभियान संचालित होगा।

मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने प्रदेश में इस अभियान में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, स्वायत शासन विभाग और समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए निरीक्षण समितियों के गठन के बारें में आदेश जारी किया है। इस संबंध में मुख्य सचिव ने गुरुवार को शासन सचिवालय से वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टर्स को राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उक्त अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए।

उक्त अभियान की सफलता के लिए सार्वजनिक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन तथा समग्र शिक्षा अभियान के भवन कार्यों के निरीक्षण के लिए सभी जिलों में जिला कलेक्टर्स को तीन निरीक्षण समितियों के गठन निर्देश दिए गए हैं। ये समितियां सघन निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर संबंधित जिला कलेक्टर को प्रस्तुत करेंगी। कलेक्टर अपनी अनुशंषा के बाद संबंधित विभाग के प्रभारी सचिव को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों के निरीक्षण के लिए समिति इसके तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संभाग के अधीन अन्य वृत्त से) व अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संभाग के अधीन अन्य जिले के गुण नियंत्रण खण्ड से) की समिति गठन के निर्देश दिए गए हैं।

नगरीय विकास एवं आवास व स्वास्थ्य शासन विभाग के कार्यों के निरीक्षण के लिए समिति इसी प्रकार नगरीय विकास एवं आवास व स्वायत्त शासन विभाग के कार्यों के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संबंधित वृत्त), अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (गुण नियंत्रण खण्ड), अधिशाषी अभियन्ता, स्वायत्त शासन/नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शामिल करते हुए समिति गठित की जाएगी।

समग्र शिक्षा अभियान के भवन कार्यों के लिए समिति वहीं समग्र शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की जांच और निरीक्षण के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संबंधित वृत्त), अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (गुण नियंत्रण खण्ड), अधिशाषी अभियन्ता, समग्र शिक्षा अभियान की सदस्यता में समिति गठित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में भवनों एवं सड़कों के निर्माण तथा मरम्मत कार्य विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित किए जाते हैं। समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से इन कार्यों की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतें प्राप्त होती हैं। ऐसे में इन कार्यों की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण समितियों का गठन किया गया है, जो प्रदेश भर में इस अभियान के दौरान सड़कों एवं भावनाओं के निर्माण तथा मरम्मत कार्यों की जांच करेगी।

पितरजी की ढाणी में गोपाल राधाकृष्ण मंदिर की आधारशिला रखी

चूरू (निसं)। गौ सेवा शिविर गोशाला समिति पितरजी की ढाणी (घंटेल) में गुरूवार को गोपाष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में गुरूवार को प्रातः पर्यावरण शुद्धि, गोरक्षा व संवर्धन हेतु गो पुष्टि यज्ञ किया गया।

गोशाला कोषाध्यक्ष सुधाकर सहल ने सपत्नीक पूजा अर्चना कर अंचल में सुख-समृद्धि की कामना की। गौशाला अध्यक्ष रमाकांत भाऊवाला ने बताया कि भारत विकास परिषद की प्रेरणा से भंवर लाल कुमावत द्वारा 5 सीमेंट की बेंच गौशाला में भेंट की गई। गौशाला प्रभारी विश्वनाथ गोटेवाला ने बताया कि भामाशाह राजकुमार बजाज कोलकाता द्वारा सपरिवार श्री गोपाल राधा कृष्ण मंदिर निर्माण के लिये भूमि पूजन किया गया।

पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न करवाया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के पदाधिकारी व सदस्य, आदर्श विद्या मंदिर के सदस्य व बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित थे। मंत्री शेलेन्द्र शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गौ सेवा शिविर गोशाला समिति पितरजी की ढाणी (घंटेल) में गोपाष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।

भागीरथ जोहड़ का चारदिवारी निर्माण कार्य शुरू

रतनगढ़, (निसं)। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने शहर के वार्ड नंबर एक में स्थित भागीरथ जोहड की चार दिवारी के निर्माण कार्य का और चुरु रोड स्थित वार्ड नंबर 36 में शिवप्रसाद के मकान से नारायण सिंह के मकान तक 20 लाख की लागत से बनने वाली सीसी सड़क के निर्माण का भी शुभारंभ किया। महर्षि ने कहा कि काफी वर्षों से जोहड की चार दिवारी के निर्माण की मांग वार्डवासियों द्वारा की जा रही थी। चारदिवारी नही होने से घरों एवम प्लाट में गन्दा पानी भर जाता था। वार्डवासियों के लिए यह समस्या नासूर बनी हुई थी। महर्षि ने कहा कि पिछली विधानसभा के मेरे कार्यकाल में मैंने उक्त समस्या के समाधान करवाने की मांग विधानसभा में भी उठाई थी लेकिन उस समय प्रदेश में कांग्रेस की नाकारा सरकार होने की वजह से समाधान नही हो सका था । अब प्रदेश में डबल ईंजन की सरकार होने से विकास कार्यों को गति मिली है । जिसका सुपरिणाम भागीरथ जोहड की चार दिवारी के निर्माण कार्य के रूप में मिल रहा है । शहर मंडल अध्यक्ष महेश सैनी ने बताया कि लगभग 23 लाख रुपये की लागत से भागीरथ जोहड की चार दिवारी का निर्माण कार्य शुरू होने से वार्डवासियों को बहुत पुरानी समस्या से निजात मिल सकेगी। राज्य की भाजपा सरकार धरातल पर विकास कार्यों को पूरा करवा रही है। इस अवसर पर नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ सहदेव दान चारण, एईन विकास मीणा और भाजपा नेता अर्जुन सिंह फ्रांसा,एडवोकेट बजरंग गुर्जर, निरंजन देव रूंथला, प्रवीण शर्मा, निखिल इंदौरिया, भींवराज प्रजापत, दीपक मुरारका, सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

गौशाला में गोपाष्टमी पर रंग बिरंगी रंगोली सजाई

झुंझुनूं, (निसं)। शहर की प्रसिद्ध श्री गोपाल गौशाला में गुरुवार को गोपाष्टमी के अवसर पर भव्य आयोजन किए गए। जानकारी देते हुए अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया एवं सचिव नेमी अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः पांच बजे से सामूहिक हवन के साथ गोपाष्टमी मेले का शुभारम्भ कार्यक्रम संयोजक प्रदीप पाटोदिया के संयोजन में किया गया। गोपाष्टमी मेले में चंडीप्रसाद टीबड़ा एवं रमाकांत तुलस्यान की ओर से भव्य बिजली का डेकोरेशन आकर्षण का केंद्र रहा। गौशाला में प्रातः प्रभात फेरी परिवार के साथ संतश्री हरिणरण जी महाराज के सानिध्य में श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में केशरदेव देवकीनंदन तुलस्यान परिवार की ओर से गौमाता को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया। दोपहर में रंग बिरंगी रंगोली झुंझुनूं एकेडमी के बच्चों द्वारा सजाई गई। शाम छह बजे दीप जलाकर उत्सव मनाया एवं गौ माता की महाआरती के पश्चात टिन्नी रेखा त्रिलोकी एंड पार्टी द्वारा नृत्य नाटिका का आयोजन किया गया। नृत्य नाटिका में भगवान के विभिन्न स्वरूपों की जीवंत झांकी सजाई गई एवं आकर्षक नृत्य नाटिका पर गौभक्त मंत्र मुक्त हुए बिना नहीं रह सके। गोपाष्टमी मेले पर गौ माता की पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें खंडेलिया परिवार सूरत के सौजन्य से प्रथम विजेता को 11000 रूपए, द्वितीय विजेता को 5100 रूपए एवं तृतीय विजेता को 3100 रूपए के अतिरिक्त तीन सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक को 1100-1100 रूपए एवं सभी 62 प्रतिभागियों को गौमाता का प्रतीक चिह्न भेंटकर पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक रघुनाथप्रसाद पोद्दार, योगेश खंडेलिया और नंदी गौशाला की गौसेविकाओं ने बढ़ चढ़कर इस प्रोग्राम में अपना योगदान दिया। गौ माता की आरती गौशाला पदाधिकारी, सदस्य एवं गौसेवकों ने की। गोपाष्टमी मेला प्रायोजक परिवार से चंडीप्रसाद टीबड़ा का दुपट्टा ओढ़ाकर गौ माता का प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर गौशाला के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, सचिव नेमी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार तुलस्यान, संयोजक रघुनाथप्रसाद पोद्दार, सहित शहर के गौभक्त बडी संख्या में मौजूद थे।

सार-समाचार

यूडीएच मंत्री खर्रा आज सीकर आएंगे

सीकर (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा 31 अक्टूबर 2025 को सीकर आएंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा प्रातः 9 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में पदयात्रा कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा सीकर से प्रातः 11 बजे प्रस्थान कर प्रातः 11.15 बजे पालवास पहुंचेंगे तथा राउमावि के पीछे सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा पालवास से प्रातः11.40 बजे प्रस्थान कर दोपहर एक बजे त्रिवेणी धाम शाहपुरा पहुंचेंगे तथा श्री 1008 नारायण दास महाराज की पुण्यतिथि कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा दोपहर 2 बजे त्रिवेणी धाम से प्रस्थान कर अपराह्न 3.20 बजे राजावाास पहुंचेंगे तथा सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा राजावास से सायं 4 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

टीआरसी की प्रथम बैठक आयोजित

तारानगर (निसं)। तारानगर उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय निराकरण समिति टीजीआरसी की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बीमा कंपनी द्वारा वर्तमान में चल रही खरीफ की क्रॉप कटिंग की शिकायत पेश की शिकायतों के बारे में किसान एवं सहायक कृषि अधिकारी सविता बुड़ानिया से सुझाव प्राप्त किए गए एवं सहायक कृषि अधिकारी बुड़ानिया को प्राप्त शिकायतों के संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने हेतु निर्देशित किया बैठक में तहसीलदार हनुमानसिंह सहित किसान प्रतिनिधि एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अंकित जाखड़ को जिला संयोजक बनाया

झुंझुनूं, (निसं)। श्री राष्ट्रीय वीर जाट सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि चौधरी के निर्देशानुसार जिले की बिसाऊ तहसील के महनसर गांव निवासी युवा नेता एडवोकेट अंकित जाखड को श्री राष्ट्रीय वीर जाट सेना के जिला संयोजक झुंझुनूं के पद पर मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एडवोकेट अंकित जाखड को मनोनीत होने पर उन्हे शुभकामनाए देते हुए आशा व्यक्त की है कि उनकी नियुक्ति से समाज में समरसता और भाईचारे की भावना से संगठन की गतिविधिया तेज होगी।

बेदख़ली सूचना मै चुकिया बानो उम्र 54 वर्ष पत्नी इनायत अली जाति कायमखानी निवासी वार्ड नम्बर 06 राजपुरा तहसील तारानगर जिला चूरू की हूँ जो निम्न कथन शपथ पूर्वक बयान करती हूँ कि:-1. यह कि इमरान व आसिफ अली मेरे पुत्र हैं व सकीला बानो व वकीला बानो मेरी पुत्रवधू है। मेरा पुत्र इमरान व पुत्रवधु सकीला बानो एवं मेरा पुत्र आसिफ अली व पुत्रवधू वकीला बानो आवारा व बदमाश प्रवृति के लोगों की संगत मे रहते है, मेरे द्वारा समझाने पर नही मान रहे है, आये दिन मेरे से झगड़ा करते है, मेरे व मेरे परिवार/समाज के नाम से लोगों से सामान व रूपये ले लेते है और उनको वापिस नही देते है। मेरे उक्त पुत्र व मेरी उक्त पुत्रवधू शादी के बाद से ही मेरे से अलग रह रहे है। मैने दिनांक 14.10.2025 को मेरे उक्त पुत्र व पुत्रवधू को मेरे परिवार की सम्पूर्ण चल व अचल जायदाद व सम्पति से बेदखल कर दिया है, आज से मेरे उक्त पुत्र व पुत्रवधू का हमारी किसी भी प्रकार की सम्पति व जायदाद मे किसी भी प्रकार का कोई हक व हिस्सा नही रहा है। मैने मेरे परिवार से इनको अलग कर दिया है।आज से मेरे उक्त पुत्र व पुत्रवधू मेरे परिवार के सदस्य नही रहे है। आज के बाद मेरे उक्त पुत्र व पुत्रवधू द्वारा किये जाने वाले किसी प्रकार के कोई लेन-देन के जिम्मेवार हम नही होंगे लेन देन करने वाले स्वयं जिम्मेवार होंगे, हमारे घर व परिवार से इनका कोई लेना देना नही रहा है। इनके द्वारा किसी प्रकार का लेन देन करने, वाद - विवाद या झगड़ा फसाद करने पर या अन्य कोई भी गलत काम करने पर व कोई मुकदमा बाजी या आपराधिक घटना कारित करने पर मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नही होगी। मैं सर्व साधारण को सूचित करती हूँ कि सूचित रहे।
शपथग्रहिता-चुकिया बानो

जागरूकता कोष पर शिविर कल

सीकर (निसं)। राजस्थान राज्य में वित्तीय सेवाएं विभाग, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत आप की पूँजी, आपका अधिकार जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष पर जिला स्तरीय जागरूकता एवं सहायता शिविर एक नवम्बर 2025 को आयोजित किए जाएगा।

इन शिविरों का आयोजन जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के नेतृत्व और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के मार्गदर्शन में प्रत्येक जिले के अग्रणी जिला कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम में सभी बैंक, बीमा, पेंशन, प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और अवैतनिक निधि की सहभागिता होगी। अग्रणी बैंक प्रबंधक नंद लाल ने बताया कि इस श्रृंखला के तृतीय चरण में 01 नवम्बर 2025 को सीकर जिले में जिला कलेक्टर और अग्रणी जिला प्रबंधक की देखरेख में प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक अरबन हार्ट जयपुर रोड़ सीकर में विशेष शिविर आयोजित किया जायेगा।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज)
क्रमांक -न.पा.रा./भू/2025/ दिनांकः 30/10/2025
आपति आमत्रंण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पंकज खदरिया-अजय कुमार पुत्र श्री मांगीलाल जाति अग्रवाल निवासी रावतसर तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ ने खरीदशुदा भूखण्ड के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत कर सैक्टर वर्कशॉप एण्ड ट्रान्सपोर्ट भूखण्ड सं. 26 साईज 22' गुणा 50' यानि 1100 वर्गफुट का नामान्तरण अपने नाम से पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है। जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्री रघुवीर पुत्र श्री रामप्रताप के नाम से साईज 22'गुणा 50' फुट का जारीशुदा है। पूर्व पालिका आदेश क्रमांक 36773 दिनांक 20.09.2022 द्वारा उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्रीमती शान्ति देवी पत्नि श्री रामजस के नाम से जारीशुदा है। श्रीमती शान्ति देवी ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 03.09.2025 द्वारा श्री अजय कुमार-पंकज खदरिया पुत्र श्री मांगीलाल को बैयान कर दिया। जिसका प्रार्थी अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहते है। अतः उक्त व्यवसायिक भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।
रजनीश चौधरी, अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका रतननगर (चूरू)
क्रमांक : न.पा./रतननगर/ भूमि शाखा/2025-26/2050 दिनांक : 29.07.2025
सार्वजनिक विज्ञप्ति (आपति आमन्त्रण-पत्र)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न लिखित आवेदकगण द्वारा निम्नांकित विवरण-पत्र में अपने नाम के सम्मुख अंकित कार्यो की स्वीकृति हेतु इस कार्यालय को अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है, अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारक को कोई आपति हो तो उक्त सार्वजनिक विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर उपर्युक्त साक्ष्य सहित अपनी लिखित आपति निम्न अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पर प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण संबंधित आवेदकगण के पक्ष में कर दिया जावेगा :-

क्र. सं.	पत्रावली क्रमांक	नाम आवेदक/आवेदिका	आवेदित भूमि की अवस्थिति	भूखण्ड का क्षेत्रफल	खसरा नं.	प्लाट संख्या	अपेक्षित स्वीकृति
1	2	3	4	5	6	7	8
1		श्री मोहम्मद इस्माइल/मदन	वार्ड नं. 13, रतननगर	99.07 वर्गमीटर	–	–	69-क नियमन

राज.संवाद/सी/25/12875 अधिशाषी अधिकारी

स्नेह मिलन नौ को

झुंझुनूं, (निसं)। नायक समाज सेवा संस्थान झुंझुनूं के तत्वावधान में नौ नवंबर रविवार को लॉयंस क्लब भवन में डाइट के सामने नायक समाज प्रतिभावान सम्मान एवं स्नेह मिलन समारोह 2025 आयोजित होने जा रहा है। इस समारोह में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान होगा।

छात्राओं को अधिक से अधिक शिक्षित करें : भाटी

सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया।

चूरू (निसं)। स्थानीय श्री बद्री केदार धानुका आदर्श विद्या मंदिर में गुरुवार को सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सप्त शक्ति संगम अथार्त मातृ सम्मलेन। कार्यक्रम में प्रश्नोतरी व म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रही। कार्यक्रम में प्रथम 10 मातृशक्तियों को समय से पहले पहुंचने पर तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता की विजेता महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सरिता माटोलिया ने परिवार व संस्कृति को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अभिलाषा भाटी थी। वहीं विशिष्ट अतिथि सुमन सोती व धनकोरी देवी थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंदा देवी खटीक ने की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि अभिलाषा भाटी ने छात्राओं को अधिक से अधिक शिक्षित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर का हक मिलना चाहिये, क्योंकि महिलायें शिक्षित होकर दो घरों का नाम रोशन करती है। इस अवसर पर सुमन प्रजापत, मंजू शर्मा, सुनीता सैनी, मिनल बाकोलिया, प्रियंका सैनी, भारती शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन श्रुति भार्गव ने किया।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17.11.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों से सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन का रकम नहीं चुकाई है. जिन आइटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
चूरू, सरदार शहर, 135720730029700,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने ध्वजारोहण कर अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले का शुभारंभ किया

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने विदेशी सैलानियों व छात्राओं के साथ नृत्य किया

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने नगाड़ा वादक नाथूराम सोलंकी के साथ नगाड़ा बजाया।

पुष्कर में देर शाम को ब्रह्म सरोवर के 52 घाटों पर सवा लाख दीपदान किया गया।

पुष्कर/अजमेर, (निसं)। राजस्थान की लोक संस्कृति के बीच गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री और अतिथि देवो भव की भावना को भी जीवंत करते हुए हल्की बूंदाबांदी के बीच डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने मेला मैदान में विधिवत झंडारोहण कर विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला-2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेला मैदान में बालिकाओं द्वारा दी गई नृत्य की प्रस्तुति के दौरान डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने छात्राओं के साथ नृत्य भी किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नगाड़ा वादक नाथूराम सोलंकी ने 101 नगाड़ा वादकों के साथ एक साथ नगाड़ों पर थाप दी। पुष्कर के इतिहास में पहली बार इस तरह का आयोजन हुआ। प्रशासन की ओर से इस अनूठी प्रस्तुति को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने की तैयारी भी की गई। मेला मैदान में दिनभर रोमांच और संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, कलेक्टर लोक बंधु, एसपी वंदिता राणा सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी व पुलिस के जवान मौजूद रहे।

मेला ग्राउंड में फुटबॉल मैच शुरू हो चुका है। प्रशासन की ओर से सिर्फ एक ही मैच आयोजित कराया, इसमें देसी और विदेशी टूरिस्ट्स हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड के खिलाड़ी विदेशी पर्यटकों की टीम में हैं। मेला ग्राउंड में खेला गया फुटबॉल मैच देसी पर्यटकों की टीम ने 2-1 से जीत लिया। उन्होंने यूएस, जर्मनी, फ्रांस और यूके के पर्यटकों की विदेशी टीम को हराया।

- अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नगाड़ा वादक नाथूराम सोलंकी ने 101 नगाड़ा वादकों के साथ एक साथ नगाड़ों पर थाप दी
- दीयों की झिलमिल रोशनी से जगमगाए ब्रह्म सरोवर के घाट, नगाड़ा वादकों ने दी प्रस्तुति

पुष्कर सरोवर पर हुआ दीपदान :-तीर्थ नगरी पुष्कर में धार्मिक मेले पर ब्रह्मा मंदिर में महाआरती हुई, इसके साथ ही धार्मिक पदयात्रा निकाली गई तथा देर शाम को ब्रह्म सरोवर के 52 घाटों पर सवा लाख दीपदान किया, जिससे पूरा पुष्कर सरोवर दीपों की झिलमिल रोशनी से जगमगा उठा। घाटों पर रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाकर सजावट की गई। धार्मिक मेले को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुष्कर पहुंचे।

इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, निवर्तमान परिषद अध्यक्ष कमल पाठक, अरुण पाराशर, शिव स्वरूप महर्षि, लक्ष्मी पाराशर, मुकेश कुमावत, रोहन बाकोलिया, सुमन कुमावत सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। दिया कुमारी को पूजा-अर्चना प्रसिद्ध पंडित कैलाश नाथ ने कराई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पुष्कर मेले के लिए 70 लाख का जो बजट था उसको बढ़कर एक करोड़ करने की घोषणा मंच से की। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी 19 नवंबर से प्रत्येक संभाग में घूमर नृत्य का आयोजन किया जाएगा उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति है हमारी धरोहर है इसको संभाले रखना बहुत जरूरी है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड में नगाड़ा बजाने वाली निकोल नामक विदेशी युवती ने बताया कि पुष्कर मेला बहुत ही सुंदर है। यहां प्रत्येक व्यक्ति को आकर अपनी आंखों से इस मेले को देखना चाहिए। साथ ही उसने बताया कि नगाड़ा बजाकर अपने आप को बहुत ही भाग्यशाली समझ रही है। पर्यटनविभाग के प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि आज से ही सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। प्रत्येक दिन अलग अलग कलाकारों द्वारा शाम को कार्यक्रम पेश किए जायेंगे।

रिश्वत लेते पटवारी व दलाल गिरफ्तार

एसीबी की टीम ने पटवारी व दलाल को गिरफ्तार किया।

बीकानेर, (निसं)। जिले के पांचू गांव में एसीबी टीम ने पटवारी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही ई-मित्र संचालक दलाल को भी टीम ने गिरफ्तार किया है।

मामला जिले के पांचू हल्का का है। यहां तैनात पटवारी अंबालाल मीणा ने मुआवजा के नाम पर चार हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस पर एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर बीकानेर चौकी की एसयू यूनिट ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पटवारी अम्बालाल मीणा और दलाल श्री राम (महादेव ई-मित्र) दोनों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि इस मामले को लेकर शिकायत मिली थी। इसमें परिवादी के के पांचू स्थित कृषि भूमि में बिजली के टावर के नीचे आई भूमि के मुआवजे की चौथी किश्त जारी होनी थी। करीब 50 हजार रुपए के लिए पांचू पटवारी को रिपोर्ट तैयार करनी थी। इसके लिए चार हजार रुपए मांगे। ये रुपए ई-मित्र संचालक श्रीराम जाट को देने के लिए कहा गया। इस पर एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर भुवन भूषण यादव के सुपरविजन में बीकानेर एसयू एएसपी आशीष कुमार की टीम ने दोनों को ट्रेप पर रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ जारी है।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- अ.अ./विद्युत-II/राजकाज 18494416 दिनांक :- 28/10/2025

ई-बिड सूचना संख्या :- जोन विद्युत-II/14/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।

NIB CODE :- JOD2526A0167

UBN/TENDER ID :- JOD2526WSOB00360

कार्य की अधिकतम अनुमानित लागत – रूपये 35,88,272/-

राज.संवाद/सी/25/12887 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-II)

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा

Email : nnksouth@gmail.com,Website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- नानिको/दक्षिण/निर्माण/2025/947 - 961 दिनांक :- 17/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 48/2025-26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यों हेतु कुल राशि 47.62 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 24.10.2025 से दिनांक 03.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट **www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के छावनी-कोटड़ी के समस्त वार्डों में निर्माण कार्य करवाये जाने बाबत्।	47.62

NIB Code No. DLB2526A7332

UBN No. DLB2526WSRC22235

राज.संवाद/सी/25/12925 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर परिषद, करौली (राज.)

फोन नं0 07464-294024, ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com, website - www.npkarauli.in

क्रमांक :- न0प0परि0क0/निविदा/2025/3331 दिनांक :- 27/10/2025

संशोधित ई-निविदा सूचना

नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना संख्या 3062 दिनांक : 08.10.2025 की तिथिओं में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है।

क्र. सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	27.10.2025 समय 6:00 पीएम तक	03.11.2025 समय 6:00 पीएम तक
2	निविदा खोलने की तिथि व समय	29.10.2025 समय 1:30 पीएम तक	04.11.2025 समय 02:00 पीएम तक

अतिरिक्त शर्तें :-

1. समान प्रकृति के कार्य का अनुभव प्रमाण-पत्र अथवा कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र अथवा कार्यादेश संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. निविदा संबंधी कोई भी दस्तावेज भौतिक रूप से जमा कराया जाना अनिवार्य नही है। शर्तो के अनुसार दस्तावेजों एवं शुल्क को ऑनलाईन ही जमा करायें।

नोट :- निविदा में वर्णित शेष शर्तें यथावत रहेंगी। आयुक्त नगर परिषद करौली

राज.संवाद/सी/25/12928

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY

Rawatbhata Road, Kota -324021

Examination Department (RSCIT CELL)

No. :- VMOU/Exam/RSCIT/2025/1155 Date :- 29/10/2025

Notice Inviting E-Tender for Printing of Certificate

NIB No. 14 Date 28.10.2025

University invites e-tender from the registered & reputed Printers for "Printing of Certificates in four colour with at least 5 security features on white Maplitho Paper Size A4 120 GSM" for University. The Estimated cost of the tender is Rs. 30.00 lacs. Tender will be available online from 31-10-2025 upto 14-11-2025 on **https://eproc.rajasthan.gov.in, www.vmou.ac.in, and www.sppp.raj.nic.in**. Last date to fill tender online is 14-11-2025. Technical bid will be opened online on 15-11-2025. The bidders must send original D.D. of Tender form fees Rs. 500/-, processing fees Rs. 500/- and Bid Security 60000/- last upto 14-11-2025 upto 04:00 pm at the office of the undersigned. For further details, kindly visit websites **www.vmou.ac.in, https://eproc.rajasthan.gov.in and www.sppp.raj.nic.in** {UBN Number: VMU2526SLOB00017}. If any corrigendum generated/occurred, then it will be uploaded only on the above mentioned websites.

Raj.Samwad/C/25/12915 Controller of Examinations

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

No. : MBMU/OIC/2025-26/958 Date :- 27/10/2025

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.**

1. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00060 for "BIO SIGNAL PROCESSING LAB EQUIPMENT for CSE Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹15.00 lakh and last date of bid submission 05/11/2025 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526GSRC00056 for "E-Tender for "Rate contract for Stationary Items" in MBM University, Jodhpur. with estimated amount ₹10.00 Lakhs and last date of bid submission 05/11/2025 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: MBM2526SLOB00057 for "Cleaning Hostel Campus & Academic Campus" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 158.00 Lakhs and last date of bid submission 15/11/2025, 12:00 Noon.
4. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00061 for "Furniture for Hostels, CSE Department and Examination Hall" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 42.60 Lakhs and last date of bid submission 05/11/2025 12:00 Noon.
5. Bids vide UBN No: MBM2526GSLB00063 for "Interacting & Non- Interacting System for Chemical Department" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 01.50 Lakhs and last date of bid submission 01/11/2025 12:00 Noon.
6. Bids vide UBN No: MBM2526GSLB00064 for "Air Conditioner for 5G Lab" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 01.25 Lakhs and last date of bid submission 01/11/2025 12:00 Noon.
7. Bids vide UBN No: MBM2526SSOB00062 for "Services Requires of Manufacturing Unit/ Factory on Lease/Rent Basis for Research Project for blocking making" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 07.20 Lakhs and last date of bid submission 01/11/2025 12:00 Noon.
8. Bids vide UBN No: MBM2526SLOB00065 for "Mess running service in all Boys Hostel" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 354.00 Lakhs and last date of bid submission 18/11/2025 12:00 Noon.
9. Bids vide UBN No: MBM2526SLOB00066 for "Mess running service in all Girls Hostel" at M B M University, Jodhpur. with estimated amount 290.00 Lakhs and last date of bid submission 18/11/2025 12:00 Noon.

Raj.Samwad/C/25/12916 OIC-Central Store

फतेहपुर में न्यूनतम पारा 17 डिग्री दर्ज

सीकर, (निसं)। प्रदेश में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस के बीच गुरुवार सुबह से सीकर में बादल छाए रहे। इस बीच सीकर में हल्की धुंध भी रही। हालांकि न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के करीब रहने के चलते गुलाबी ठंडक से लोगों को थोड़ी राहत मिली है।

सीकर में अभी 4 से 5 दिन ऐसा ही मौसम रह सकता है। सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर सुबह न्यूनतम तापमान 17 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले यहां बुधवार को न्यूनतम तापमान 15.5 और अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री दर्ज किया गया था। बुधवार को भी ज्यादातर समय मौसम साफ रहा था। मौसम एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल शेखावाटी एरिया में अगले 4 से 5 दिन मौसम ड्राई रहने का अनुमान है। इस दौरान यहां तापमान में ज्यादा खास बदलाव नहीं होगा। बारिश होने की संभावना भी बेहद कम है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार सीकर में 2 नवंबर तक बारिश का कोई भी अलर्ट नहीं है। यहां पर मौसम ड्राई रहेगा। तापमान में भी ज्यादा बदलाव नहीं होगा, जबकि कोटा और उदयपुर संभाग में 4 नवंबर तक बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती है।

ट्रेड फेयर में दोस्तों के साथ घूमने गए युवक की छुरा घोंपकर हत्या

अलवर, (निसं)। अलवर में ट्रेड फेयर में दोस्तों के साथ घूमने गए युवक की छुरा घोंपकर हत्या कर दी गई। युवक के दोस्तों का कुछ लोगों से झगड़ा हो गया। वह बीच-बचाव कर रहा था, इसी दौरान दूसरे पक्ष के युवक ने उसके सीने बर्फ काटने वाला छुरा घोंप दिया। युवक को घायल अवस्था में जिला हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास बुधवार रात करीब आठ बजे की है। सूचना पर युवक के परिजन और ग्रामीण हॉस्पिटल पहुंचे, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग करने लगे। पुलिस-प्रशासन की समझाइश के बाद परिजनों ने धरना खत्म कर दिया और शव को हॉस्पिटल से लेकर गए।

- दोस्तों का कुछ लोगों से झगड़ा होने पर बीच-बचाव कर रहा था युवक, दूसरे पक्ष के युवक ने उसके सीने बर्फ काटने वाला छुरा घोंप दिया
- परिजन और ग्रामीण हॉस्पिटल पहुंचे, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए
- परिजन और ग्रामीणों ने आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की, 5 दिन का समय दिया

अलवर मेव बोर्डिंग के पूर्व सदर शेर मोहम्मद ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि अगर आरोपियों के घरों पर अवैध अतिक्रमण मिलता है तो हटाएंगे। 4 नवंबर तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो हम अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे।

पुलिस ने बताया कि गोविंदगढ़ क्षेत्र के खेड़ी बहादुर गांव निवासी वकार (20) पुत्र फकरुद्दीन सेकंड ईयर का छात्र था। वह अपने दोस्त तालीम, अरशद और बरकत के साथ गोविंदगढ़ में लगे ट्रेड फेयर में घूमने गया था। वहां मोमोज की दुकान पर तालीम का छैल बिहारी से झगड़ा हो गया। छैलबिहारी के साथ राजेश, रविंद्र, बलदेव, केदार, खेमू व रवि सहित तीन चार अन्य युवक भी थे। वकार ने बीच-बचाव करने लगा। इसी दौरान छैलबिहारी ने छुरा मार दिया था, जिससे वकार लहूलुहान होकर गिर गया। उसे गोविंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे अलवर रेफर कर दिया जहां उसकी मौत हो गई।

नाबालिग के मना करने पर भी अश्लील वीडियो वायरल किया

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। 14 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म और अश्लील वीडियो वायरल करने के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता के पिता के बयान के आधार पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट, सामूहिक दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिता ने थाने में रिपोर्ट देते हुए बताया कि करीब आठ माह पूर्व उसी के मोहल्ले के दो आरोपी युवक रात को 11 बजे मोटरसाइकिल पर लड़की को बहलाकर ले गए। आरोपियों ने पीड़िता के शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी व रातभर एक कमरे में बंद रखा। दोनों ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी उसकी पुत्री को डरा-धमका कर सुबह पांच बजे घर के आगे छोड़कर चले गए। बदनामी के डर से उसने कोई कार्रवाई नहीं की और पंच पंचायती में आरोपी युवकों ने गलती मानते हुए नाबालिग से कोई संबंध नहीं रखने व वीडियो नहीं बनाने की बात कही। 21 अक्टूबर की सुबह दोनों आरोपी उसके घर आए और नाबालिग को शारीरिक संबंध कायम रखने की धमकी देते हुए उसके अश्लील वीडियो वायरल करने की बात कही। नाबालिग के मना करने पर 22 अक्टूबर को आरोपियों ने नाबालिग के अश्लील वीडियो वायरल कर दिए।

- दो युवको के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज, आठ महीने पहले दुष्कर्म किया था

शराब परिवहन मामले में दो गिरफ्तार

टोक, (निसं)। थानाधिकारी निवाई सदर के नेतृत्व गठित थाना विशेष टीम द्वारा लोकल व माईनर एक्ट में कार्यवाही करते हुए अवैध देशी शराब परिवहन मामले में आरोपी लखन कुमार पुत्र मांगीलाल वाल्मिकी निवासी हीरा चौकी पुरानी टोंक को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार निवाई सदर की टीम ने अवैध देशी हथकड़ शराब परिवहन मामले में आरोपी मंगल उर्फ मंगल्या मोग्या पुत्र पुसाराम मोग्या निवासी बिजोलाय थाना नरैना जिला जयपुर हाल निवासी चनानी थाना निवाई सदर को गिरफ्तार किया। आरोपी थाना निवाई सदर पर पूर्व में दर्ज प्रकरण में फरार चल रहा था। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट जल्द ही जारी हो सकती है!

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर के सीनियर सैकंडरी स्कूल में प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट जल्द ही जारी हो सकती है। इसके लिए 500 से ज्यादा प्रिंसिपल की लिस्ट तैयार हो चुकी है और मुख्यमंत्री कार्यालय से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

पूर्व में जारी प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट के कुछ संशोधन भी इस लिस्ट में होंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट जयपुर पहुंच गए हैं। राज्य में 4 हजार से ज्यादा प्रिंसिपल के ट्रांसफर करने के बाद से अब तक भी प्रिंसिपल के ट्रांसफर ऑर्डर में संशोधन नहीं किया गया है। ऐसे में अब एक साथ सभी संशोधन हो रहे हैं। विधायकों की सिफारिश पर ही पहले ट्रांसफर हुए थे और अब संशोधन भी उनकी सिफारिश पर हो रहे हैं। खास बात ये है कि ट्रांसफर लिस्ट पर इस बार भी मुख्यमंत्री कार्यालय की पूरी नजर है। शिक्षा मंत्री कार्यालय और निदेशालय से तैयार हुई ट्रांसफर लिस्ट में काफी कटौती की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय फिलहाल ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करना चाहता। वहीं शिक्षा मंत्री कार्यालय से तैयार हो रही लिस्ट में 1 हजार प्रिंसिपल को इधर-उधर करने की तैयारी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को अब मुख्यमंत्री कार्यालय से इस लिस्ट को स्वीकृति मिलने का इंतजार किया जा रहा है। ये लिस्ट एक-दो दिन में भी जारी हो सकती है और किसी कारण से रुक भी सकती है। निदेशालय स्तर पर सिर्फ लिस्ट को पुटअप करने और आदेश जारी करने का काम रहा है। प्रिंसिपल के साथ ही मंत्रालयिक कर्मचारियों और ग्रेड सेकंड के ट्रांसफर भी हो सकते हैं। ज्वाइंट डायरेक्टर ऑफिस से टीम को जयपुर बुलाया गया है। बीकानेर संभाग के साथ ही अन्य संभागों के ज्वाइंट डायरेक्टर और उनकी टीम जयपुर पहुंच रही है। ट्रांसफर के लिए चल रही मशक्कत पर अधिकारी कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट से ट्रांसफर का सवाल करने पर उन्होंने कहा कि सरकार जब भी आदेश देगी, तभी ट्रांसफर हो जाएंगे।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में इंटीग्रेटेड फायरिंग एक्सरसाइज का अभ्यास किया

बीकानेर, (निसं)। यहां महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में इंटीग्रेटेड फायरिंग एक्सरसाइज की प्रैक्टिस की गई। यह अभ्यास अग्निपथ पर अजेय भारत और नेटवर्क सेंट्रिक वॉरफेयर का प्रदर्शन था। इसमें थल और वायु सेना ने आपसी तालमेल दिखाया, जहां ड्रोन उड़ाकर दुश्मन के ठिकानों का पता लगाया गया तो वहीं हवा और जमीन से रुसी टैंक और मिनी गन से गोला बारूद बरसाया गया। अभ्यास में भारत के डिजिटल फायरिंग सिस्टम को भी प्रदर्शित किया गया। इसमें दुश्मन के ठिकानों पर टारगेट सेट कर सटीक फायरिंग की गई। भारतीय सैन्य बलों का समन्वित शक्ति प्रदर्शन करते हुए वास्तविक युद्ध जैसा अभ्यास किया गया।

इस अभ्यास में साऊथ वेस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार, इस अभ्यास में फायरिंग डेमोंस्ट्रेशन के साथ-साथ मॉडर्न वॉर, आपसी समन्वय और सटीक मारक क्षमता को दिखाना था। थल और वायु सेना के जवानों ने एकजुट होकर अपने हथियारों, वाहनों और तोपखाने का प्रदर्शन किया। यूनिट्स ने एक साथ आपसी तालमेल बैठाकर दुश्मन के ठिकाने उड़ाए।

बीएमपी-2- जो युद्ध क्षेत्र में पैदल सैनिकों को कवच सुरक्षा प्रदान करता है और चलती स्थिति में भी फायरिंग करने में सक्षम है। टी-72 टैंक- भारतीय सेना की आर्मर्ड रेजिमेंट का गर्व, जिसने दुश्मन की काल्पनिक पोजीशन पर सटीक फायरिंग कर अपनी घातक क्षमता का प्रदर्शन किया। 130 मिमी मीडियम गन-जिसने लंबी दूरी से लक्ष्यों को नेस्तनाबूद करने की सटीकता दिखाई, यह भारतीय तोपखाने की रीढ़ मानी जाती है।

अभ्यास के दौरान सैनिकों ने फायर एंड मूव की रणनीति का अद्भुत प्रदर्शन किया। टैंकों और पैदल यूनिटों ने एक-दूसरे के समर्थन में लगातार फायरिंग की, जबकि आर्टिलरी यूनिट्स ने दूर से लक्ष्यों पर सटीक निशाने साधे। इससे फायरिंग के साथ-साथ सैनिक आगे बढ़ते रहे और टारगेट को भेद दिया। वायु और थल सेनाओं ने आपसी तालमेल का प्रदर्शन कर एक दूसरे को सूचना दी और तेजी के साथ दुश्मन के ठिकानों पर फायर किए।

लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह ने कहा कि भारतीय सेना की ताकत केवल उसके हथियारों में नहीं, बल्कि उसके प्रशिक्षण, अनुशासन और टीम वर्क में है। महाजन की रेत में जो आग और जोश दिखाई दे रहा है, वही हमारी सीमाओं की रक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। यह एक्सरसाइज दक्षिण पश्चिमी कमान की "ऑपरेशनल रेडीनेस" का सशक्त उदाहरण है और यह दर्शाता है कि सेना किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में मिशन को पूरा करने के लिए तैयार है।

एक्सरसाइज के दौरान युवा सैनिकों और नई तकनीक के संयोजन ने भारत के "नए युग के युद्ध दर्शन" की झलक दिखाई। डिजिटल फायरिंग सिस्टम, कम्युनिकेशन नेटवर्क, और बैटलफील्ड सर्विलांस इंटेग्रेशन के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि भारतीय सेना अब "नेटवर्क सेंट्रिक वॉरफेयर" की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

अज्ञात लोगों ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा खंडित की

सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को शांत कराया

गंगापुर सिटी, (निसं)। सलारपुर गांव में अज्ञात लोगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित कर दी। गत दिवस शाम हुई इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। यह घटना गत दिवस देर शाम की बताई जा रही है। गुरुवार सुबह जब ग्रामीणों ने प्रतिमा को खंडित देखा तो गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और घटना पर नाराजगी व्यक्त की। ग्रामीणों ने इस कृत्य को समाज में सांप्रदायिक और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की सोची-समझी साजिश बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सदर थाना पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराया और खंडित प्रतिमा को जल्द ही पुनः स्थापित करने का आश्वासन दिया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की। ग्रामीणों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे गंगापुर सिटी-सवाई माधोपुर मार्ग को जाम कर देंगे। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसी स्थिति में प्रशासन जिम्मेदार होगा। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। प्रशासन भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पाकिस्तान से आए ड्रग्स को कमीशन पर भारत में बेचने वाला तस्कर गिरफ्तार

बाड़मेर के बीजावल का रहने वाला है तस्कर, पैसा कमाने की चाह में इस गोरखधंधे में उतरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने साथ मिलकर एक इनामी ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। जो पाकिस्तान से आए ड्रग्स को कमीशन पर भारत में सप्लाई कर रहा था। एएनटीएफ की पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है। ड्रग्स तस्करी में उसके एक इनामी साथी को भी पकडा गया है।

एटीएस पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि बाड़मेर के बीजावल के रहने वाले ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। किन्हीं कारणों से आरोपी का नाम गुप्त रखा गया है। वह राजस्थान की सीमा पर बैठकर ड्रग्स की तस्करी करता था।

राजस्थान पुलिस की ओर से आरोपी ड्रग्स तस्कर पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। पढ़ाई में कमजोर होने के साथ ही पैसा कमाने की चाह में ड्रग्स तस्करी के खेल में उतरा। पिता की राह पर चलकर नशे के कारोबार में नाबालिग उम्र से ही वह नशे के कारोबार में उतर गया। पिता के जेल जाने के बाद कारोबार को देश की अलग-अलग सीमाओं पंजाब, जैसलमेर, बीकानेर तक फैलाया।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि लम्बे समय से इनामी ड्रग्स तस्कर खुफिया एजेंसियों को गच्चा दे रहा था। लम्बे समय से पाकिस्तान से नशे के कारोबारियों को पकड़वाने के धोखे में सीमावर्ती क्षेत्र में खुफिया एजेंसियों को अपने जाल में फंसा रखा था। इसी आड़ में वह ड्रग्स तस्करी का धंधा बैखौफ होकर सीमापार बैठे तस्करों से करता था।

ड्रग्स के खेल में वह नहीं तो माल खरीदता था। नहीं बेचने का झंझट रखता था। सीमा पार पाकिस्तान से आए हेरोइन का पैकेट रिसीव कर सुरक्षित अपने पास रखता था। पंजाब-दिल्ली के सरगनाओं के सम्पर्क करने पर उसके हवाले कर देता था। उसे पाकिस्तान से आए ड्रग्स को पंजाब-दिल्ली के सरगनाओं से सम्पर्क कर सौंप देता। पिता के साथ ही आरोपी ने भी नाबालिग उम्र में ही ड्रग्स का धंधा शुरू कर दिया।

पिता के जेल जाने के बाद ड्रग्स के साम्राज्य को बढाने के साथ पैसा कमाने में जुट गया। वहीं एएनटीएफ टीम ने दूसरी कार्रवाई कर उसके साथी जोगाराम उर्फ जोगेन्द्र निवासी बलदेव नगर बाड़मेर को अरेस्ट किया। वह पिछले 8 सालों से मध्य प्रदेश से बाड़मेर तक ड्रग्स सप्लाई का काम कर रहा था।

वह पिछले दो साल से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का इनाम रखा हुआ है। तस्करी के काम के लिए उसने अपने परिवार के साथ रिश्तेदारों को भी रोजगार करने के लिए ट्रक दिलवाए। पिछले दो महीने से जोगेंद्र चुपके से घरवालों से मिलकर फरार हो जाता था। अपनी स्कॉर्पियो गाडी को घर से करीब 2 किलोमीटर दूर गुप्त ठिकाने पर छिपा देता था।

एएनटीएफ टीम ने काफी मशक्कत के बाद फरार इनामी बदमाश जोगेन्द्र को धर-दबोचा।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और आतंकवाद निरोधक दस्ते की टीम ने शातिर इनामी ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया।

- आरोपी अपने पिता की राह पर चलकर नशे के कारोबार में नाबालिग उम्र से ही उतर गया था। पिता के जेल जाने के बाद कारोबार को देश की अलग-अलग सीमाओं पंजाब, जैसलमेर, बीकानेर तक फैलाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सपत्निक निज निवास पर किया गौ-पूजन

गोपाष्टमी पर प्रदेश के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को गोपाष्टमी पर मुख्यमंत्री निवास पर सपत्नीक गौपूजन कर प्रदेश के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को गोपाष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर सपत्नीक गौपूजन कर प्रदेश के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने तिलक लगाकर गौमाता को पुष्प अर्पित किए तथा माला पहनाई। मुख्यमंत्री ने गौमाता को गुड खिलाकर वस्त्र भी अर्पित किए। शर्मा ने कहा कि गोपाष्टमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व ही नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति की अमर धरोहर है। यह गौमाता के प्रति हमारे आदर, सेवा और संरक्षण की भावना का प्रतीक है। हमारी सरकार गौसंवर्धन, गौशालाओं के उन्नयन तथा गौपालकों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गौ-माता का हमारी सनातन संस्कृति में पूजनीय स्थान है। गोपाष्टमी का पर्व हमें गौ माता की सेवा करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि गौ माता हमारा गौरव है तथा जीवन का आधार है। उन्होंने सभी लोगों से आव्हान किया कि गौ सेवा के लिए समर्पित होकर कार्य करें, साथ ही गौशालाओं से जुड़कर गौ संरक्षण के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। मुख्यमंत्री ने मांग्यावास स्थित सद्गुरू टेऊँराम गोशाला तथा रेनवाल स्थित जोतड़ा गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि गौ माता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। गौ उत्पादों का पोषण और पंचगव्य का औषधीय महत्व सर्वविदित है। ऐसे में गौ पूजन धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का एक माध्यम भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गौ माता के संवर्धन एवं उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार द्वारा प्रत्येक पंजीकृत गौ शाला को प्रति गाय 50 रुपये प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन की सहायता दी जा रही है।

- गौशालाओं से जुड़कर गौ संरक्षण के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दें : भजनलाल शर्मा

उन्होंने कहा कि गौ संवर्धन के लिए बैलों से खेती करने वाले किसानों को भी 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष अनुदान राशि दी जा रही है। शर्मा ने कहा कि गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन में संत-मुनि-महंतों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने गौ माता की रक्षा और सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गौ सेवा को अपने जीवन का आधार बनाए तथा सरकार के साथ मिलकर गौ संरक्षण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

लुटेरी दुल्हन शादी के 5 महीने बाद नकदी व जेवरात लेकर फरार

जयपुर। जवाहर नगर थाना इलाके में महज शादी के पांच महीने बाद शातिर लुटेरी दुल्हन अपने पति को गहरी नींद में सोते छोड़कर अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण व नकदी लेकर फरार हो गई। नींद से जागने के बाद पति ने अपनी पत्नी को नदारत पाकर इधर-उधर तलाश की। लेकिन कुछ देर बाद अलमारी खुली देख उसके होश उड़ गए। जिसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंच मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने लुटेरी दुल्हन के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

हेड कॉन्स्टेबल कैलाश चंद ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाले युवक ने मामला दर्ज कराया है कि उसकी शादी फरवरी- 2025 में जयपुर में रहने वाली युवती से हुई थी। शादी के बाद से ही उसकी पत्नी ने झगड़ा करना शुरु कर दिया और झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देने लग गई। 13 जुलाई की रात पीड़ित गहरी नींद में था। इसका फायदा उठाते हुए लुटेरी दुल्हन ने अलमारी में रखे लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहने व 70 हजार रुपए नकद और कीमती सामान चोरी कर फरार हो गई। आरोप है कि उसकी पत्नी की पूर्व में शादी हो चुकी थी।

लेकिन ससुराल वालों ने ये बात छुपाते हुए शादी कर दी। जाग होने पर पीड़ित ने अपनी पत्नी को इधर-उधर तलाशा। लेकिन बाद में अलमारी खुली देख सारा माजरा समझ में आ गया। पीड़ित ने कोर्ट के इस्तेगास के आधार पर अपनी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज कर लुटेरी दुल्हन की तलाश शुरु कर दी है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम की कंट्री डायरेक्टर मिलीं

राजस्थान में बाल पोषण और महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करने के उपायों पर चर्चा की

जयपुर । उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी से संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की कंट्री डायरेक्टर एलिसाबेट फाउर एवं उनकी टीम ने गुरूवार को सचिवालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान में बाल पोषण और महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करने के उपायों पर चर्चा की। बैठक में राजस्थान सरकार की महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे-लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राज्य सरकार की ओर से दी जा रही अतिरिक्त राशि, न्यूट्री किट योजना आदि की जानकारी दी गई।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह बहुत ही प्रसन्न और उत्साहित होने का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों को सहयोग देने से लेकर हमारे बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा प्रदान करने तक में नई संभावनाएँ खुल सकती ह ं। हम सब मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त राजस्थान की ओर लगातार कदम बढ़ा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का कंट्री डायरेक्टर एलिसाबेट फाउर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा अब तक दिए गए सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने इसके साथ ही महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा बच्चों की प्री-स्कूल शिक्षा के लिए भारत सरकार और राजस्थान सरकार के द्वारा किये जा रहे नवाचारों की सराहना भी की।

महिला एवं बाल विकास, शासन सचिव महेंद्र सोनी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की ओर से जयपुर की पांच परियोजनाओं में पूरक पोषाहार सप्लाई में तकनीकी सहयोग किया जा रहा है। राजस्थान में प्री स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी काफ़ी नवाचार किए जा रहे हैं। साथ ही इस राज्य सरकार द्वारा दिए गए 275 करोड़ के अतिरिक्त बजट तथा पार्टनर के साथ भी आंगनवाड़ी केंद्रों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार का काम बड़े स्तर पर हाथ में लिया गया है। उन्होंने अवगत कराया कि बाल पोषण और महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करने के उपायों पर निदेशक, आईसीडीएस तथा संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की टीम से आगे विस्तार से चर्चा करेगी। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत, पोषण एवं स्कूल पोषण इकाई की एमडी एवं प्रमुख डॉ. शरीका यूनुस खान, अनुसंधान प्रमुख परमज्योति चट्टोपाध्याय की उपस्थिति में उक्त चर्चा बैठक में उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने उक्त चर्चा बैठक में राज्य के पर्यटन के क्षेत्र में किये गये विकास कार्यों की जानकारी भी दी और इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की कंट्री डायरेक्टर एलिसाबेट फाउर को राजस्थान के प्रमुख पर्यटक स्थलों का भ्रमण करने का निमंत्रण भी दिया।

उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी से गुरूवार को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की कंट्री डायरेक्टर एलिसाबेट फाउर एवं उनकी टीम ने सचिवालय में मुलाकात की।

स्मैक सप्लायर झालावाड़ से गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाले फरार मुख्य आरोपित को झालावाड़ से गिरफतार किया गया है जो पिछले तीन माह से फरार चल रहा था। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि कार की किस्त चुकाने के लिए रुपयों की आवश्यकता होने के कारण अवैध स्मैक के कारोबार में लिप्त हुआ था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि शिप्रा पथ थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाले फरार मुख्य आरोपित रमेश चन्द तंवर निवासी घाटोली जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया है। आरोपित से पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

होमगार्ड पुलिस लाइन का कम्पनी कमांडर रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय की एसआईयू टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए होमगार्ड पुलिस लाइन जयपुर में पदस्थ कम्पनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा को 4000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। यह रिश्वत होमगार्ड से उसकी ड्यूटी लगाने की एवज में मांगी गई थी।

- होमगार्ड से उसकी ड्यूटी लगाने की एवज में मांगी थी रिश्वत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया की परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी कि वह होमगार्ड हैं और होमगार्ड पुलिस लाइन जयपुर में पदस्थ कम्पनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा उसकी ड्यूटी लगाने के एवज में पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांग रहा है।

शिकायत के सत्यापन के पश्चात ब्यूरो की टीम की ओर से ट्रैप की कार्रवाई होमगार्ड पुलिस लाइन जयपुर में पदस्थ कम्पनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में आरोपित के घर और अन्य ठिकानों पर सर्च किया जा रहा है।

किराये पर कार लेने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार रेन्ट के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही ठगी की गई कार को भी बरामद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस व आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार रेन्ट के नाम पर धोखाधडी करने वाले प्रहलाद सिंह निवासी लाडनू जिला नागौर हाल नारायण विहार जयपुर और पवन चारण निवासी चुनावट जिला गंगानगर हाल मुक्तसर पंजाब हाल मुरलीपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही ठगी की गई कार को भी जब्त किया गया है।

गौरतलब है कि फर्म क्रेजी कार रेन्टल प्राइवेट लिमिटेड के मालिक मोहम्मद इमरान ने मामला दर्ज करवाया था कि आरोपित प्रहलाद सिंह व पवन चारण 25 दिसम्बर 2024 को कार आई -20 को किराये से 24 घंटे के लिये लेकर गया थे। जहां कार को वापस दिनांक 26 दिसम्बर 2024 को वापस देनी थी। लेकिन प्रहलाद सिंह व पवन चारण ने पीडित को कार को वापस नही है। पीड़ित की ओर से कार को कई बार मांग की गई। लेकिन कार वापस नहीं दी तथा कार का किराया भी अभी तक नहीं दिया गया है और कार को लौटने से मना कर दिया। इसके अलावा कार में लगा जीपीएस सिस्टम भी बंद कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल करते हुए आरोपियों को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

प्रधानमंत्री की बिहार के नवादा में होने वाली जनसभा की तैयारियों में जुटे डॉ. सतीश पूनियां

भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा-एनडीए विजय संकल्प को लेकर बिहार विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे डॉ. पूनियां

पटना। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां भाजपा-एनडीए विजय संकल्प को लेकर बिहार प्रवास पर हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर नवादा लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी देख रहे है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी 2 नवंबर को बिहार के नवादा में होने वाली जनसभा को लेकर सतीश पूनियां ने जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ सभास्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और इसके बाद नवादा भाजपा जिला टीम के साथ बैठक कर 2 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नवादा रैली को ऐतिहासिक बनाने को लेकर मजबूत संकल्प लिया और जन-जन की भागीदारी का आव्हान किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री लाजवंती झा, सांसद विवेक ठाकुर, जिला अध्यक्ष अनिल मेहता, विधायक राज सिन्हा, विधान पार्षद अशोक यादव सहित पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।सतीश पूनियां ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, मैं जब छात्र राजनीति में था उस समय से लेकर फिर युवा राजनीति की जिम्मेदारी से लेकर, फिर संगठन में काम करने के दौरान कई बार मुझे बिहार आने का पार्टी ने मौका दिया। बिहार को बदहाल देखा है, बिहार की कानून व्यवस्था को बिगड़ते देखा है, बिहार में सड़कों पर खड्डे देखे हैं, बिहार में एक किस्म की अराजकता थी, बिहार को हमने बदलते देखा है। आज एनडीए शासन में बिहार का व्यक्ति राशन और सुशासन इन दो मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसा कर रहा है, केंद्र की मोदी सरकार की जितनी भी जन कल्याणकारी योजनाएं हैं उन योजनाओं को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाने और भरोसा मजबूत करने का काम केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नीतीश सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि, जनकल्याणकारी योजनाओं से बिहार के लोगों का जीवन बदला है, इस बदलाव के लिए बिहार की जनता नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार पर भरोसा करती है और विकसित बिहार के संकल्प को मजबूती देने के लिये एक बार फिर से बिहार में भाजपा-एनडीए का शासन आएगा, यहां की जनता ने तय कर लिया है। उल्लेखनीय है कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर सतीश पूनियां 28 अक्टूबर से लेकर आगामी कई दिनों तक बिहार विधानसभा चुनाव में नवादा लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सम्भाल रहे हैं।

भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने बिहार के नवादा में भाजपा जिला टीम के साथ बैठक करके 2 नवंबर को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली की तैयारियों पर चर्चा की।

- भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा-एनडीए विजय संकल्प को लेकर बिहार विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे डॉ. पूनियां

देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं युवा : देवनानी

जयपुर । भारत के लौहपुरुष, स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री एवं राष्ट्र की एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने जिस अदम्य साहस, संगठन क्षमता और दृढ़ संकल्प के बल पर बिखरे हुए भारत को एक सूत्र में पिरोया, वह युगों-युगों तक प्रेरणास्त्रोत रहेगा। देवनानी ने कहा कि सरदार पटेल केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि भारत की अखंडता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने कर्म, विचार और राष्ट्रिनष्ठा से यह सिद्ध किया कि जब देशहित सर्वोपरि हो, तब कोई भी कठिनाई असंभव नहीं रहती।

कचरा बीनने के बहाने बिजनेसमैन के घर में घुसे शातिर नकबजन

जयपुर। मोती डूंगरी इलाके में शातिर नकबजन ने दिन-दहाड़े कचरा बीनने के बहाने सूने मकान की रैकी की ओर और घर के गार्डन में लगी पानी की मोटर चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित को वारदात की जानकारी सीसीटीवी फुटेज देखने पर चली। सूचना पर मौके पर पहुंची एसएमएस थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात नकबजन के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया की थाना इलाके में स्थित पुरंदरजी का बाग निवासी मनीष भारद्वाज 27 अक्टूबर को परिवार सहित घर से बाहर गए हुए थे। तभी दिन -दहाड़े चोरी एक शातिर नकबजन कचरा बीनते हुए दीवार कूद कर घर के अंदर घुसा और गार्डन में लगी पानी की मोटर चोरी कर फरार हो गया। देर रात पीड़ित घर पर लौटा तो पानी की मोटर गायब मिली। जिसके बाद पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें अज्ञात नकबजन पानी की मोटर चोरी कर दीवार कूद कर फरार होता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत चोरी का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

- सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया हत्याकांड में अब तक 14 आरोपी नामजद

सात गिरफ्तार, मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर मंदीप और हार्डकोर बदमाश दीपक मालसरिया फरार

झुंझुनूं, (निसं)। दिवाली के पहले दिन रात को धनूरी थाने के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या को दस दिन हो गए हैं। पुलिस लगातार इस मामले में ना केवल कार्रवाई कर रही है, बल्कि अब तक एक 10 हजार के ईनामी सहित सात बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अब तक गिरफ्तार

हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **बाइक से करवाया था डेनिस का पीछा, अंडे लेने के लिए रुका तो अपहरण कर हत्या कर दी**

आरोपियों से पूछताछ में वारदात की एक-एक कहानी निकलकर सामने आ रही है। जमीन पर रेंगकर और सहारे के साथ चलते ये बदमाश झुंझुनूं के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या से जुड़े आरोपी हैं।

डेनिस को मारने के लिए बिसाऊ थाने का हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया और झुंझुनूं सदर थाने का हार्डकोर बदमाश दीपक मालसरिया मुख्य आरोपी है। हालांकि ये दोनों ही अभी तक पुलिस पकड़ से दूर है, लेकिन अब पुलिस ने तय कर लिया है कि फरार बदमाशों को छुपाने, भगाने और फरारी कटवाने में मदद करने वाले लोगों पर भी कार्रवाई होगी, जिसके लिए इनकी मदद करने वालों की सूची बनाई जा रही है।

सिटी डीएसपी वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि अब तक 14 आरोपियों को नामजद कर लिया गया है। वहीं सात आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया ने ऐसे लड़कों को चुना जो अपराध की दुनिया में अपना नाम चमकाना चाहते थे और मदिया की गैंग से जुड़ना चाहते थे। इनमें से 10 हजार रूपए का ईनामी बदमाश आदित्य मीणा निवासी हांसलसर भी शामिल था। जो अपराध की दुनिया में अपना नाम चमकाने के चक्कर में मदिया और दीपक मालसरिया के संपर्क में आया और वारदात में शामिल हो गया। वहीं इस काम में परसरामपुरा के चौढ ाणी की ढाणी निवासी जितेंद्र उर्फ जोनी मेघवाल के जरिए भी ऐसे चार लड़कों अजय कुमार उर्फ अज्जू, ताराचन्द, पंकज जाट, धर्मपाल को इस काम के लिए बुलाया और प्लान में शामिल किया।

अब तक पुलिस इस मामले में जो कड़ी से कड़ी मिला पाई है। उसके अनुसार मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया, दोनों ही डेनिस बावरिया के दुश्मन बन गए थे। पहले डेनिस बावरिया भी मंदीप उर्फ मदिया की गैंग में था, लेकिन बाद में वह मदिया गैंग से दूर हो गया। वहीं दीपक मालसरिया भी डेनिस बावरिया की सीधी दुश्मन हो गई। डेनिस को रास्ते से हटाने के लिए मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया ने हाथ मिलाया और यह सारा प्लान बनाया। जितेंद्र उर्फ जोनी ने जो लड़के उपलब्ध करवाए। उन्हें मंडावा रोड पर सीतसर स्थित रॉयल ट्रीट होटल पर मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया से मिलाया गया। वहीं पर पूरी वारदात का प्लान बना, जिसके बाद कपिल कस्वां और राहुल उर्फ राज ने डेनिस बावरिया की पीरूसिंह सर्किल से लेकर चूरू बाईपास तक बाइक से रैकी करते हुए पीछा किया। पल-पल की जानकारी मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया को देते रहे। डेनिस बावरिया चूरू बाईपास पर अंडे लेने के लिए रूका तो उसी वक्त तीन कैंपर गाड़ियों से हमला कर डेनिस का अपहरण किया गया, जिसके बाद मंदीप उर्फ मदिया, दीपक मालसरिया और प्रशांत उर्फ पोखर सहित अन्य ने जमकर मारपीट कर मरा हुआ समझकर ही रसोड़ा गांव छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने अब सात आरोपियों पर ईनाम घोषित किया है, जिनमें से एक गिरफ्तार हो चुका है। सात से आठ टीमें लगातार दबिशें दे रही है। पुलिस इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें कपिल कुमार कस्वां पुत्र उम्मेद सिंह, पंकज कुमार पुत्र राजेंद्र जाट, राहुल कुमार उर्फ राज, अजय कुमार ऊर्फ अज्जू पुत्र खेताराम मेघवाल, ताराचंद उर्फ टीसी पुत्र सीताराम मेघवाल, जितेंद्र उर्फ जोनी पुत्र ओमप्रकाश मेघवाल तथा आदित्य मीणा उर्फ बुलिया पुत्र रामजीलाल मीणा है। इनमें आदित्य मीणा उर्फ बुलिया 10 हजार का ईनामी बदमाश था।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज, याचिकाकर्ता पर जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने नागौर के खींवसर में पांचोड़ी निवासी 25 वर्षीय युवक की याचिका पर यह फैसला सुनाया। इस युवक ने दावा किया था कि उसने फलोदी जिले के मतोड़ा थाना इलाके की एक युवती से शादी की है और युवती के माता-पिता ने उसे गैरकानूनी तरीके से अपने पास बंदी बना रखा है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने युवती के साथ विवाह किया है और इसके प्रमाण के तौर पर आर्य समाज का विवाह प्रमाण पत्र भी कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था। उसका कहना था कि शादी के बाद उसकी पत्नी को उसके माता-पिता ले गए।

याचिका में राज्य सरकार, फलोदी पुलिस अधीक्षक, मतोड़ा थानाधिकारी और महिला के माता-पिता को प्रतिवादी बनाया गया था। प्रतिवादियों की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी, मतोड़ा थानाधिकारी अमानाराम और मनीषा चौधरी ने पक्ष रखा। कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने 17 अक्टूबर को युवती को अदालत में पेश किया गया। न्यायाधीशों ने युवती से विस्तार से बातचीत की और उसकी इच्छा जानने का प्रयास किया। कोर्ट ने पाया कि युवती वयस्क है और वह अपने निर्णय लेने में सक्षम है।

जब कोर्ट ने युवती से बात की, तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि चार लोग उसे जबरन उठाकर ले गए और जबरदस्ती याचिकाकर्ता से शादी करवाई गई। उस ने अदालत के सामने साफ शब्दों में कहा कि वह याचिकाकर्ता के साथ रहने को तैयार नहीं है और अपनी मर्जी से अपने माता-पिता के साथ खुशी-खुशी रह रही है। युवती ने स्पष्ट किया कि उसके माता-पिता ने उसे जबरन अपने पास नहीं रोका है, बल्कि वह स्वेच्छा से उनके साथ रहना चाहती है।

युवती के बयान को सुनने के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि युवती अपने माता-पिता की गैरकानूनी हिरासत में नहीं है। न्यायालय ने पाया कि वह अपनी स्वतंत्र इच्छा से अपने माता-पिता के साथ रह रही है और वह याचिकाकर्ता के साथ जाना नहीं चाहती। युवती की इच्छा स्पष्ट होने के बाद कोर्ट ने यह निष्कर्ष निकाला कि याचिका का कोई आधार नहीं बनता। इस पर याचिका को खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता द्वारा जमा की गई 25 हजार रुपए की राशि जब्त कर ली। कोर्ट ने रजिस्ट्रार (न्यायिक) को निर्देश दिया कि इस जब्त की गई राशि को राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण के बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाए, जो कानूनी सहायता सेवाओं के लिए उपयोग की जाएगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

जहाजपुर-देवली मार्ग पर हुआ हादसा, छोटी बहन को लेने जा रहा था युवक

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर मार्ग पर अमरवासी स्थित राजीव गांधी महाविद्यालय के समीप एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर हनुमान नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

सहायक उप निरीक्षक दुर्गालाल ने बताया कि मृतक अजय पुत्र दुर्गालाल मीणा, निवासी घाटी का बाड़ा, थाना जहाजपुर है। मृतक अजय के भांजे मोहित ने बताया कि उनके मामा अजय प्रदीप नगर में उनकी छोटी बहन नीतू को लेने बाइक से आ रहे थे। इसी दौरान राजीव गांधी महाविद्यालय के करीब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और करीब

मृतक युवक (फाइल फोटो)।

- **मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और शव नहीं उठाने दिया, समझाइश पर माने परिजन और ग्रामीण**

डेढ़ घंटे तक शव नहीं उठाने दिया। बाद में पुलिस की समझाइश पर परिजन और ग्रामीण सहमत हुए।

मृतक के भांजे मोहित ने बताया कि उनके मामा गुजरात के सोलर प्लांट फैक्ट्री में काम करते थे। वह अविवाहित है। मृतक अजय के जीजा रामप्रसाद की पिछले दिनों मौत हुई थी, जिसके चलते वह अपनी छोटी बहन नीतू को पीहर ले जाने के लिए प्रदीप नगर देवली आ रहे थे। इसी बीच, यह हादसा अजय की जान ले बैठा। हनुमान नगर पुलिस ने शव को देवली चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करकर शव परिजनों को सुपुर्द किया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

टोल प्लाजा कर्मियों से मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के डर से महिला के कपड़े पहनकर खंडहर में छुपा बैठा था आरोपी

सीकर, (निसं)। सीकर की लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस ने टोल प्लाजा के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के मामले में आरोपी रावण को गिरफ्तार किया है। रावण ने अपने साथियों के साथ मिलकर 21 अक्टूबर को टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी। आरोपी पुलिस के डर से महिला के कपड़े पहनकर खंडहर में छुपा बैठा था।

लक्ष्मणगढ़ डीवाईएसपी दिलीप कुमार मीणा के अनुसार 21 अक्टूबर को गजेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनका छोटा भाई राजेंद्र सिंह भूमा टोल प्लाजा पर अपनी नौकरी कर रहा था। दोपहर तीन बजे के करीब अनुज बादूसर, मोनू गाड़ोदा सहित अन्य लोग आए, जिन्होंने जान से मारने की नीयत से राजेंद्र और अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट की। साथ ही राजेंद्र की जेब से 15 हजार रुपए और गले में पहनी सोने की चेन भी छीन ली। सभी बदमाश बीएल ग्रुप से जुड़े हुए हैं। जिनकी पुलिस तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी प्रयास नेहरा उर्फ रावण उर्फ निशु पुत्र महावीर पुलिस के डर से अपनी पहचान छुपाने के लिए महिला के कपड़ों में एक खंडहर में बैठा हुआ है, जिसने अपने सिर के बाल भी मुंडवा लिए। पुलिस ने दबिश देकर वहां से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी में जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल अशोक और लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने के कॉन्स्टेबल विद्याधर की अहम भूमिका रही।

चलती कार में अचानक आग लगी, हादसा टला

स्थानीय लोगों की मदद से समय रहते आग पर काबू पाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में चलती मारुति वेन में अचानक आग लग गई। कार चालक की सतर्कता की वजह से बड़ा हादसा टल गया। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत आग पर काबू पा लिया।

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि थाना क्षेत्र के नारायणी माता सर्किल पर गुरुवार को एक चलती मारुति वैन कार में अचानक आग लग गई। कार चालक को आग लगने का पता चलते ही कार को साइड में लगाया, जहां आसपास के लोगों ने पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा नहीं हुआ है। आग के कारण मारुति कार का अगला कुछ हिस्सा जल गया था। पुलिस ने बताया कि जिस कार में आग लगी उस मारुति वैन कार के पीछे के हिस्से में गैस किट लगा हुआ था, लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत आग पर काबू पा लिया जिसके कारण कार का आगे का हिस्सा जल गया, लेकिन पीछे गैस किट तक आग नहीं पहुंचने के कारण कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।

पशुपालन मंत्री ने भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारी पर लिया संज्ञान

जयपुर/जालोर/पाली। पशुपालन, डेयरी और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पाली एवं जालौर जिलों में भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारियों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष चिकित्सा टीमें भेजी जाएं तथा बीमार पशुओं का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। जोराराम कुमावत ने यह भी बताया है कि पाली और जालोर जिले में हाल ही के दिनों में भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारियों की रोकथाम एवं निदान के लिए पशुपालन विभाग द्वारा विशेष कार्ययोजना के तहत त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

- **पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पाली एवं जालोर जिलों में भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारियों की स्थिति पर चिंता जताई, त्वरित उपचार और बचाव के लिए जिलों को निर्देश दिए**

पशुपालन मंत्री ने बताया कि जालोर जिले के आहोर नोडल क्षेत्र में अधिक संख्या में भेड़ें प्रभावित हुई हैं शेष भाग में भी कुछ छिटपुट मामले सामने आए हैं। आहोर में संक्रमित भेड़ों के सर्वे और उपचार के लिए 40 सदस्यों के कुल 12 दलों का गठन कर दिया गया है जो लगातार सर्वे और उपचार के कार्य में संलग्न हैं। संक्रमित पशुओं के ब्लड सैंपल तथा नेजल स्वैब भी लिए गए हैं और उन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया है। अब तक आहोर के विभिन्न गांवों मे नौ हजार से अधिक भेड़ों का सर्वे कराया जा चुका है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। जिले के अन्य भागों में भी सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं और संक्रमित पशुओं को अन्य पशुओं से अलग कर दिया गया है जिससे बीमारी के फैलाव को रोका जा सके। पशुपालकों को भी आवश्यक परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि पाली जिले में भी कुछ घटनाएं सामने आई हैं जिनका संज्ञान लेकर उपचार चालू कर दिया गया है। पाली के चाणोद गांव से सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाया गया है। आगे स्थिति न बिगड़े इसके लिए विभाग को पाबंद कर दिया गया है। वहां अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि तत्काल दलों का गठन कर भेड़ों में फैली बीमारी का सर्वे करवाकर आवश्यकतानुसार अविलंब उपचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार पशुधन की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

उन्होंने दोनों जिलों में पशु चिकित्सकों की टीमों को गांव-गांव जाकर पशुओं की जांच करने, सैंपल लेने के काम को तेज़ करने और जागरूकता शिविर आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। कुमावत ने कहा कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त दवाइयों व संसाधनों की आपूर्ति तत्काल की जाएगी। उन्होंने पशुपालकों से भी अपील की है कि वे अपने पशुओं का समय-समय पर टीकाकरण कराएं, बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें तथा किसी भी प्रकार के संक्रमण की स्थिति में नजदीकी पशु चिकित्सालय से तत्काल संपर्क करें।

बीमारी से पुलिसकर्मी की मौत, परिवार में छाया मातम

पावटा, (निसं)। क्राइम ब्रांच परिवाद शाखा में तैनात सहायक उप निरीक्षक रामकिशन गुर्जर निवासी ग्राम कुहाड़ा का बीमारी से निधन हो गया। निधन के बाद रिजर्व पुलिस लाइन से जवानों की सम्मान गार्ड टीम पहुंची और कुहाड़ा गांव के श्मशान स्थल पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले सलामी गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यक्रम में विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत और थाना प्रभारी सोहनलाल विराटनगर पुलिसकर्मी कृष्णा कुमार स्वामी, बाबूलाल, कंवर सिंह व साथ थाना पुलिस और लाइन से आए जवान मौजूद रहे। कुहाड़ा गांव के ग्रामीणों और परिजनों सहित करीब 500 लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। सभी ने एएसआई रामकिशन के सेवाभाव और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए भावपूर्ण विदाई दी। बीमारी के चलते उनकी मृत्यु हुई है। उनके अपने पीछे तीन भाई जिनमें दो बड़े भाई हैं जिसमें बड़े ही बड़े भाई शिवकरण की मौत हो चुकी है, दूसरे नंबर का भाई छीतर मल खेतीबाड़ी करता है।

नकली शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी, संचालक गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। डीएसटी दौसा व पुलिस थाना सदर दौसा ने गुरुवार को नकली देशी शराब बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुये 12 कार्टून में 576 नकली देशी शराब के पव्वे, 30 लीटर स्प्रिट, बारदाना, पव्वा पैकिंग मशीन की जब्त करते हुये फैक्टरी संचालक मखलेश मीणा को गिरफ्तार किया है। इधर इस कार्यवाही के बाद शराब व्यवसाय से जुड़े ठेकेदारों में हडकम्प मच गया है।

पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि डीएसटी टीम दौसा ने सूचना दी की एक व्यक्ति गोवर्धन नगर भांकरी रोड रेलवे लाईन के पास एक मकान में स्प्रिट लाकर अवैध देशी मदिरा तैयार करता है। सूचना पर हरिराम सउनि मय जाप्ता के एक मकान के पास पहुंचे, जिसकी चारदीवारी के अन्दर एक कमरा बना हुआ था कमरे के पास अवैध निर्मित शराब के 12 कार्टून मिले जिनमे 576 अवैध देशी शराब के प्लास्टिक के पव्वे भरे हुए (अवैध देशी शराब 103 लीटर) व खाली बारदाना के 762 प्लास्टिक पव्वे खाली, एक जरीकेन 50 लीटर जिसमे 30 लीटर स्प्रिट व एक पव्वा पैकिंग मशीन मिली, जिनको मौके पर जप्त किया जाकर आरोपी मखलेश पुत्र रामप्रताप मीना निवासी सिडौली थाना कोलवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया कि आरोपित मखलेश मीणा नकली शराब राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने ढाबों सहित अन्य जगहों पर माल सप्लाई करता था, पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पुस्तक ''जंगल की कहानियां'' : बाघों को पुनर्जीवित व वन्यजीवों का संरक्षण करने का सार्थक प्रयास

पुस्तक ''जंगल की कहानियां'' का लोकार्पण आगामी दो नवम्बर को होगा

जयपुर। सेतु प्रकाशन नोएडा व राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समिति, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर में दो नवम्बर को राजेंद्र सिंह भण्डारी भू.पू. विभागाध्यक्ष, वन विभाग राजस्थान की अध्यक्षता में पुस्तक ''जंगल की कहानियां'' का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में पुस्तक पर व्यापक चर्चा भी की जायेगी। इसमें वन विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ-साथ हिंदी जगत के अनेक ख्यातिनाम साहित्यकार भाग लेंगे।

पुस्तक परिचय :-एक जमाना था जब जंगल व शिकार की कहानियां हिंदी साहित्य का अविभाज्य हिस्सा हुआ करती थीं लेकिन देखते देखते ही जीवन की इस आपाधापी में साहित्य की यह विधा कहाँ गायब हो गयी पता ही नहीं चला। सच तो यह है कि अंग्रेजी साहित्य भी इस मार से बच नहीं सका लेखक, जो भारतीय वन सेवा केअधिकारी रहे है, ने इस पुस्तक के जरिये इस विलुप्त प्राय: विद्या को पुनर्जीवित करने का सार्थक प्रयास किया है। लेखक ने अपने लम्बे वन सेवा काल में अर्जित अनुभवों को इस पुस्तक में अत्यंत रोचक कथानक के रूप में इस प्रकार से पिरोया है कि पाठक न सिर्फ लेखक के साथ वन्यजीवों से भरपूर विभिन्न जंगलों की सैर करता महसूस करता है बल्कि स्वयं को वन्य जीवों के अवैतनिक संरक्षक के रूप में देखने लगता है।

लेखक के बारे में :-वनों व वन्य जीवन के प्रति एक विशेष आकर्षण ही था कि सुनयन शर्मा ने इंजीनियरिंग जैसे आकर्षक कैरिअर को छोड़कर वन सेवा को अपनाया व चार दशक तक वन विभाग के लिए अपनी सेवाएँ दींऔर वन्यजीव प्रबन्धन इनका पसंदीदा क्षेत्र रहा। इस दौरान इन्होंने न सिर्फ वन्यजीव प्रतिपालक के रूप में राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में वन्यजीवों के हितार्थ अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये बल्कि महावीरों की धरती मेवाड़ के जंगलों में वर्षों कार्यरत रहते हुए दुर्दांत तस्करों से इन वनों की रक्षा करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। साथ ही यहाँ बसने वाले आदिवासियों को इन जंगलों के संरक्षण के लिए प्रेरित करने का कार्य किया व समाज की मुख्य धारा से दूर बने हुए इस आदिवासी समाज का वृहद समाज से सही परिचय कराने एवं उनके जीवन दर्शन के विशिष्ट

सुनयन शर्मा

पहलुओं को सबके सामने लाने का उल्लेखनीय कार्य किया। इस हेतु लेखक ने अनेक लेखों/कहानियां की रचना की।

वर्ष 2010 में सरिस्का से सेवानिवृत्ति पर भारतीय वन सेवा के इस अधिकारी ने सरिस्का टाइगर फाउण्डेशन के अध्यक्ष के रूप में एक दशक से अधिक तक राष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव संरक्षण के मुद्दों को उठाया व आज भी वह प्राण-पण से इसे आम जन की आवाज बनाने में सक्रिय है। देश-विदेश के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों के अनेकानेक भ्रमण-अनुभवों के आधार पर पुस्तकें, कहानियां, लेख लिखना उनकी अभिरुचि है। अभी तक सौ से अधिक उनके लेख/कहानियां देश-विदेश के प्रसिद्द पत्र-पत्रिकाओं में प्रकशित हो चुके हैं। सरिस्का टाइगर रिजर्व रोअर्स अगेन (इंगलिश) व इसका हिंदी रूपान्तरण (सरिस्का बाघ संरक्षित क्षेत्र में फिर से गूंजी दहाड़), केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर: बर्ड्स इन पैराडाइज़ व वाइल्ड ट्रेज़र्स एण्ड एडवेंचर्स : ए फौरेस्टर्स डायरी आदि इनकी प्रकाशित पुस्तकें लोकप्रिय रही है। वन,वन्यजीव व पर्यावरण के हितार्थ लेखक आज भी सतत प्रयत्नशील है।

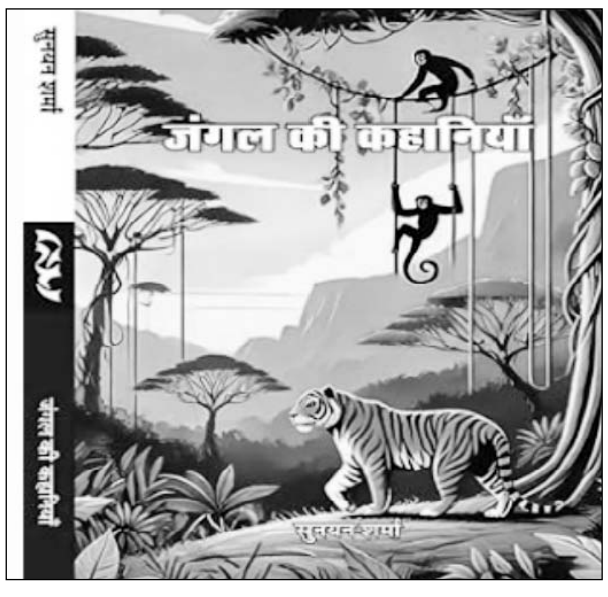

उत्कृष्ट शोधकर्ता, उद्यमी एवं वैज्ञानिक तैयार करें कृषि विश्वविद्यालय : राज्यपाल

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में संचालित विषय, छात्रों की वर्तमान स्थिति, नामांकन व्यवस्था, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं संस्थागत व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

- **कुलाधिपति बागड़े ने कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा में प्रगति की समीक्षा की**

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित न रहकर, भविष्य के कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता, उद्यमी एवं राष्ट्रनिर्माता तैयार करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को एक ऐसी योग्य मानव संपदा (एसेट) के रूप में तैयार करें जो समाज, राष्ट्र एवं संपूर्ण मानवधारा के हित में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाते हुए समाज, राष्ट्र एवं विश्व के लिए एक मूल्यवान संपत्ति के रूप में तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों की ऊर्जा एवं ज्ञान का लाभ संपूर्ण मानव समाज तक पहुँचना चाहिए। कुलाधिपति बागड़े ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा में प्रगति की समीक्षा की तथा विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार, मानव संसाधन विकास, प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधार, आधारभूत संरचना विकास, हरित पहल, उद्यमिता एवं स्टार्टअप आदि सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि कृषि विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक छात्रों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कृषि शिक्षा का लाभ अधिकतम युवाओं तक पहुँच सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय को प्लेसमेंट सेल स्थापित करने के निर्देश दिए।

कुलगुरू डॉ.विमला डूंकवाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार की मुख्य उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है तथा नई तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने के लिए सतत् प्रयासरत है। निदेशक अनुसंधान डॉ.एस.के. जैन द्वारा विश्वविद्यालय की पिछले तीन वर्षों की विभिन्न गतिविधियों तथा उपलब्धियां पर आधारित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सिंदूर का पौधा रोपण किया गया तथा कृषि तकनीकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा कृषि उद्यमियों से संवाद किया। संवाद में कुलाधिपति के उच्च शिक्षा सलाहकार प्रो.कैलाश सोडाणी, ओएसडी उच्च शिक्षा डॉ.कुलदीप मिश्रा, वित्त नियंत्रक, विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, अधिष्ठातागण एवं परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की कुलसचिव मनीषा तिवारी ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति एवं अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन दिया।

भारत के पास अधिक संसाधन और प्रभाव है और आईसीसी में उनका दबदबा बढ़ गया है। मैं खुश हूं कि मैं अब वहां नहीं हूं, क्योंकि अब यह स्थिति बहुत अधिक राजनीतिक हो गई है।

- क्रिस ब्रॉड

आईसीसी मैच रेफरी, भारतीय टीम और प्रबंधन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

करीना कपूर

करीना कपूर खान ने यूनिसेफ-आईसीसी साझेदारी और 'प्रॉमिस फॉर चिल्ड्रन' अभियान के तहत हर बच्चे के लिए समान अवसरों की वकालत की। यह अभियान नागरिकों को भारत में बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए एक वादा करने के लिए प्रेरित करता है।

करीना कपूर खान ने कहा, यूनिसेफ इंडिया की राष्ट्रीय राजदूत के रूप में, मैं आईसीसी के साथ इस साझेदारी का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस करती हूं, जो बच्चों के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए क्रिकेट प्रेमियों से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट के कुछ प्रमुख रिकॉर्डों में अंतरराष्ट्रीय शतक, रोहित शर्मा के तीन दोहरे शतक, विराट कोहली के 51 एकदिवसीय शतक, और वीरेंद्र सहवाग के दो टेस्ट तिहरे शतक शामिल हैं।

आरसीए की देखरेख में जयपुर के एसएमएस में ही होने चाहिए आईपीएल के मैच : कुमावत

आरसीए की अकादमी के पीछे खाली जमीन पर फाइव स्टार होटल की भी प्लानिंग, स्टेडियम की क्षमता 50 हजार बढ़ाने का प्रस्ताव दिया

जयपुर, 30 अक्टूबर। जयपुर में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अंदर सियासी खींचतान जारी है। इस बीच जयपुर में ही इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले करवाने और सवाई मानसिंह स्टेडियम की दर्शक क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू हो सकती है।

कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने बताया कि 28/8/2025 को आरसीए ने खेल परिषद को प्रस्ताव भेजा था, जिसमें एसएमएस स्टेडियम के नॉर्थ और साउथ पवेलियन की हालत सुधारने के साथ साथ टूटी हुई कुर्सियों को ठीक करने, एयरकंडीशन लगाने ओर दर्शक क्षमता 25 हजार से बढ़ाकर 75 हजार करने और आरसीए अकादमी परिसर के साथ साथ खाली जमीन पर 200 कमरों वाले फाइव स्टार होटल बनाने की योजना शामिल है। दोनों प्रोजेक्ट्स पर लगभग 150- 200 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान लगाया जा रहा है जिसकी जिम्मेदारी आरसीए खुद उठाने को तैयार है। इसके बदले आरसीए ने खेल परिषद से 50 साल के लिए एमओयू करने का प्रस्ताव रखा है। हमारी सिर्फ एक ही शर्त है कि आरसीए की देखरेख में जयपुर के एसएमएस में ही होने चाहिए आईपीएल के मैच। सभी 33 क्रिकेट एसोसिएशन के सचिवों की भागीदारी आईपीएल मैचों में शामिल होने चाहिए।

आईपीएल को लेकर पहले भी हुई थी कन्ट्रोवर्सी

इस साल जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले को लेकर काफी कन्ट्रोवर्सी हुई थी। तत्कालीन एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने राजस्थान रॉयल्स पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाने के साथ ही खेल परिषद पर आईपीएल के आयोजन को छीनने का आरोप लगाए थे। वहीं खेल परिषद से सवाई मानसिंह स्टेडियम के एमओयू को लेकर हुए विवाद के बाद मौजूदा एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीनदयाल कुमावत भी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम से रणजी मुकाबलों को शिफ्ट कर राजसमंद के मिराज स्टेडियम में ले गए। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व में आईपीएल के दौरान हुए कामकाज में भी घोटाले के आरोप लगाए थे, जिसको लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन इंडियन प्रीमियर लीग के जयपुर वेन्यू को लेकर मंथन कर रहा है।

एडहॉक कमेटी के कन्वीनर ओर सदस्य पिंकेश जैन, धनंजय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी और मोहित यादव की मंशा के आधार पर जयपुर में आईपीएल मैचों का आयोजन प्राथमिकता होनी चाहिए। फिलहाल स्टेडियम की दर्शक क्षमता 25,000 है।

डीडी कुमावत के अनुसार पीएनबी बैंक की शर्त के अनुसार चौप स्टेडियम के काम अब तब ही शुरू हो सकेगा जब अनिल अग्रवाल के 260 करोड़ रुपए देने के बाद ही लोन की बकाया राशि देगा। अनिल अग्रवाल ने अब तक 40 करोड़ रुपए दे दिए हैं।आरसीए की ओर से दिल्ली रोड पर बन रहे नए क्रिकेट स्टेडियम की स्थिति फिलहाल अनुकूल नहीं है, जबकि एसएमएस स्टेडियम में बेहतर लोकेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। हम चाहते हैं कि सरकार के नेतृत्व में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में ही आईपीएल मुकाबले हर बार से बेहतर स्तर पर हों।

ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर भारत महिला विश्वकप के फाइनल में, जेमिमा ने 127 रन बनाए

मुम्बई, 30 अक्टूबर। भारत ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। पाटिल स्टेडियम में 339 रन का टारगेट भारतीय टीम 48.3 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। जेमिमा रॉड्रिग्ज 127 और अमनजोत कौर 15 रन बनाकर नाबाद लौटीं। ऋचा घोष 26 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें एनाबेल सदरलैंड ने किम गार्थ के हाथों कैच कराया। उन्होंने हरमनप्रीत कौर (89 रन) को भी आउट किया। स्मृति मंधाना 24 और शेफाली वर्मा 10 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को किम गार्थ ने पवेलियन भेजा। दीप्ति शर्मा (24 रन) रनआउट हो गईं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से फीबी लिचफील्ड ने 119, एलिस पेरी ने 77 और एश्ले गार्डनर ने 63 रन बनाए। भारत के लिए स्पिनर श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। क्रांति गौड़, अमनजोत कौर और राधा यादव को 1-1 विकेट मिला। 3 बैटर्स रन आउट भी हुईं।

शाह और आईओसी अध्यक्ष कोवेंट्री ने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में आईओसी सत्र के दौरान आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मुलाकात की और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की। उन्होंने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, " 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर हमारी चल रही चर्चा को जारी रखने के लिए आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मिलकर खुशी हुई। हमने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया।"

यह बहुत ख़ास जीत है, हम सब उत्साहित है : वोल्वार्ट

गुवाहाटी, 30 अक्टूबर। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान और अपनी शतकीय पारी से प्लेयर ऑफ द मैच बनी लौरा वोल्वार्ट ने इंग्लैंड के खिलाफ महिला विश्व कप सेमीफाइनल में बुधवार को जीत हासिल करने के बाद इस जीत को बेहद ख़ास करार दिया और कहा कि इससे पूरी टीम उत्साहित हो गयी है। वोल्वार्ट ने जीत के बाद कहा,यह बहुत ख़ास है। हर कोई बहुत उत्साहित है। हम इसी टीम के ख़िलाफ़ पिछले दो सेमीफ़ाइनल में हार का सामना कर चुके हैं, जो वाकई बहुत दुखद है, इसलिए आज रात जीत हासिल करना हमारे ग्रुप के लिए बहुत मायने रखता है। मुझे हमारे खेलने के तरीके पर बहुत गर्व है। यह पूछने पर कि ग्रुप मैच में क्या 69 रनों पर ऑल-आउट होने की यादें ताज़ा हो गईं?, वोल्वार्ट ने कहा, थोड़ी बहुत जरूर हुईं। मुझे लगता है कि वही विरोधी टीम, वही मैदान, आपका दिमाग अपने आप ही उस मैच की यादों में खो जाता है। लेकिन सच कहूँ तो, आज रात टॉस हारना दुनिया की सबसे बुरी बात नहीं थी। हमें बस यही लगा कि सेमीफ़ाइनल में रन बनाना ही सबसे अहम होगा। मुझे यकीन नहीं था कि 320 रन का स्कोर काफ़ी होगा - पिच अंत में काफ़ी सपाट लग रही थी - लेकिन हमारे गेंदबाज़ों ने जिस तरह से अच्छा प्रदर्शन किया, उसके लिए उन्हें श्रेय जाता है। यह अद्भुत था।

सिंदूर और रक्षिखा ने पिकलबॉल विश्वकप में रजत पदक जीता

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। टीम इंडिया ने अमेरिका के फ्लोरिडा में प्रतिष्ठित पिकलबॉल विश्व कप 2025 में पोडियम स्थान हासिल कर लिया है। सिंदूर मित्तल और रक्षिखा रवि की जोड़ी ने बेहद प्रतिस्पर्धी महिला ओपन डबल्स 5.0 वर्ग में रजत पदक जीता। वैश्विक चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन ने भारत को पिकलबॉल के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। पिकलबॉल एक तेज़ी से बढ़ता खेल है जिसमें टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस के तत्व शामिल हैं। बैडमिंटन के आकार के कोर्ट पर, मजबूत पैडल और छिद्रित गेंद के साथ खेला जाने वाला यह खेल अपनी सुगमता और प्रतिस्पर्धी तीव्रता के लिए जाना जाता है। सिंदूर मित्तल, जो स्वच्छ ऊर्जा समूह अवादा ग्रुप की उपाध्यक्ष भी हैं, ने इस खेल और अपने पेशेवर जीवन के बीच तालमेल पर प्रकाश डालते हुए कहा, "पिकलबॉल एक ऐसा खेल है जो चपलता, रणनीति, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का जश्न मनाता है; ये गुण अवादा में हमारे कॉर्पोरेट दर्शन का अभिन्न अंग हैं। पिकलबॉल जैसे उभरते खेल में विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना और पदक जीतना एक अद्भुत अनुभूति है।"

क्या भारतीय स्पिन आक्रमण की चुनौती से निपट पाएगा ऑस्ट्रेलिया?

मेलबर्न, 30 अक्टूबर। कैनबरा में टी20 सीरीज की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही और पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया लेकिन मेलबर्न में एक ज़ोरदार मुकाबला होने की उम्मीद है और इस मुकाबले के लिए 90 हज़ार से ज़्यादा दर्शकों के पहुंचने की भी संभावना है। एक ऐसा वेन्यू जहां पर भारत को अपार समर्थन मिलता रहा है, जिसकी झलक हमें पिछली टेस्ट सीरीज और टी20 विश्व कप 2022 के दौरान भी देखने को मिली थी।

कैनबरा में भले ही 9.4 ओवर का खेल हुआ लेकिन सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल ने भारत को एक बड़े स्कोर की ओर अग्रसर कर दिया था और दोनों ही बल्लेबाज बेहतरीन लय में नजर आ रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी भी मजबूत है लेकिन भारत की स्पिन तिकड़ी मेलबर्न में उनके लिए चुनौती का सबब बन सकती है।

टिम डेविड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। हालांकि इंग्लैंड के ख़िलाफ़ मेलबर्न में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप 2002 के मुकाबले का वह हिस्सा थे लेकिन वो मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। डेविड ने बीबीएल में इस मैदान में नौ पारियों खेलते हुए 16.44 की औसत से 148 रन बनाए हैं।

हालांकि अगर इस रिकॉर्ड को बदलना है तो इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता। डेविड इस सीरीज में नंबर चार पर बल्लेबाज़ी करते नजर आ सकते हैं और दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई खेमे को उनसे काफ़ी उम्मीदें होंगी। स्पिन के ख़िलाफ़ ऑस्ट्रेलिया के खेल में सुधार हुआ है लेकिन भारत का स्पिन गेंदबाजी आक्रमण उनके लिए चुनौती का सबब जरूर बन सकता है। वरुण चक्रवर्ती इस प्रारूप में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज़ हैं लेकिन सबसे छोटे प्रारूप में उनका ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ खेलना बाक़ी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड के ख़िलाफ़ शुरुआत में उनका इस्तेमाल किया जाता है या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही टीमें मेलबर्न में जीत हासिल कर पांच मैचों की सीरीज में बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगी। इस मुकाबले से संबंधित टीम न्यूज, संभावित और पिच रिपोर्ट पर एक नजर डालते हैं।

टीम न्यूज और संभावित

एशेज की तैयारी शुरू करने से पहले यह आख़िरी मैच होगा जिसके लिए जॉश हेजलवुड उपलब्ध होंगे। सीन एबट पहले तीन मैचों के लिए उपलब्ध हैं, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दूसरे मैच में उन्हें मौका देने पर विचार कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया (संभावित 11) : ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), जॉश इंगलिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, 5मिचेल ओवेन, मार्कस स्टॉयनिस, जॉश फ़िलिपे, ज़ेवियर बार्टलेट/सीन एबट, नेथन एलिस, मैट कुनेमन, जॉश हेजलवुड।

पहले मैच में अधिक खेल न हो पाने को देखते हुए भारत में बदलाव की संभावना कम है। हालांकि मेलबर्न की परिस्थितियों को देखते हुए वह अतिरिक्त तेज गेंदबाज़ के रूप में अर्शदीप सिंह को एकादश में शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी पहले तीन टी20 मैचों से बाहर हैं।

भारत (संभावित 11) : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह।

पिच और परिस्थितियां

निराशाजनक तौर पर शुक्रवार का दिन एक बार फिर ऐसा दिन हो सकता है जब हमें आसमान की ओर देखना पड़े। दिन भर बारिश होने के साथ ही तूफ़ान की भी आशंका है। मेलबर्न एक हाई स्कोरिंग वेन्यू रहा है और बीबीएल में यहां काफ़ी रन बनते हैं।

अहम तथ्य और आंकड़े

भारत ने मेलबर्न में पिछले छह में से चार टी20 जीते हैं। बुमराह टी20 में 100 विकेट लेने से चार विकेट दूर हैं। मार्श टी20 में दो हज़ार रन से चार रन दूर हैं जबकि सैमसन हज़ार टी20 रन से सात और तिलक 38 रन दूर हैं।

अभिषेक नायर होंगे केकेआर के मुख्य कोच

कोलकाता, 30 अक्टूबर। पूर्व ऑलराउंडर अभिषेक नायर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुख्य कोच होंगे। सूत्र के अनुसार अभिषेक नायर को इस भूमिका के लिए तैयार है और जल्द ही इस बारे में अधिकारिक धोषणा की जायेगी। वह चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे। राष्ट्रीय पुरुष टीम में गौतम गंभीर की अगुवाई वाले कोचिंग दल का हिस्सा रहने के बाद नायर को पिछले सत्र में केकेआर ने वापस अपने साथ जोड़ा था। वह चंद्रकांत पंडित की अगुवाई वाले कोचिंग दल का हिस्सा थे। हाल ही में नायर को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्ज का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। चंद्रकांत पंडित केकेआर से अलग होकर घरेलू सर्किट में मध्य प्रदेश में वापस आ चुके हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन में क्रिकेट निदेशक है। 42 वर्षीय नायर ने वर्षों तक मुंबई के लिए खेला वहीं इस हरफनमौला खिलाड़ी ने 2009 में भारत के लिए तीन एकदिवसीय मैच भी खेले। हालांकि जब कोचिंग की बात आती है तो नायर के पास इस संबंध में बेहतद अनुभव है। 2019 में आईपीएल से संन्यास लेने से पहले नायर को 2018 में केकेआर अकादमी में लीड कोच नियुक्त किया गया था और इसके बाद उन्होंने मुख्य टीम में बतौर सहायक कोच जगह ली। उन्होंने सीपीएल 2022 में त्रिनबागो नाइट राइडर्स के मुख्य कोच की भूमिका भी अदा की थी।

सितम्बर पोलो सीजन : टीम जयपुर यूनियर्स और ग्रेट ब्रिटेन जूनियर्स के बीच होगा मुकाबला

जयपुर में 1 को खेला जाएगा अंडर-16 जूनियर इंटरनेशनल मैच

जयपुर, 30 अक्टूबर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में 1 नवंबर, शनिवार को अंडर-16 जूनियर इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला शाम 4 बजे से जयपुर जूनियर्स और ग्रेट ब्रिटेन जूनियर्स के बीच होगा। टीम जयपुर जूनियर्स से कुलदीप सिंह (टीम का नेतृत्व करेंगे), अयान अली, हर्षोदय सिंह और आर्यमन सिंह खेलेंगे। वहीं, ग्रेट ब्रिटेन जूनियर्स टीम के खिलाड़ियों में विल एमर्सन (टीम का नेतृत्व करेंगे), अथर्व सिंह, कोरी मार्टिन और जॉर्ज फॉल शामिल हैं। यह मैच युवा खिलाड़ियों में पोलो के खेल को बढ़ावा देने, उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष इस मैच को मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया को देखते हुए, इस वर्ष यह मैच पुन: आयोजित हो रहा है।

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट में जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताएं हुई प्रारंभ

जयपुर, 30 अक्टूबर। जगतपुरा शूटिंग रेंज स्थित तीरंदाजी एरीना पर चल रहे एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट में आज जूनियर वर्ग की स्पर्धाओं का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने की,

जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय तीरंदाजी संघ के संयुक्त सचिव संदीप जायसवाल उपस्थित रहे। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि आज पहले दिन रिकर्व और कंपाउंड वर्ग के बालक-बालिकाओं के रैंकिंग राउंड मुकाबले आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उच्च स्कोर हासिल किए। रैंकिंग राउंड के आधार पर शीर्ष 16-16 खिलाड़ी कल आयोजित होने वाले एलिमिनेशन राउंड में प्रवेश करेंगे। कार्यक्रम में दिनेश कुमावत, परमेश्वर चौधरी, सुनील चौधरी, राजीव आचार्य, सोमेश शर्मा सहित अनेक खेल पदाधिकारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। देश के विभिन्न राज्यों से आए जूनियर तीरंदाजों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रोमांचक और कड़ी टक्कर वाले मुकाबले खेले।

अफगानिस्तान ने टी-20 में जिम्बाब्वे को 53 रन से हराया

हरारे, 30 अक्टूबर। इब्राहिम जदरान (52), अजमतउल्लाह ओमरजई (27 रन और तीन विकेट) और मुजीब उर रहमान (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने पहले टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 53 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अफगानिस्तान के 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे को अजमतुल्लाह उमरजई और मुजीब उर रहमान की जोड़ी ने 127 रनों पर ऑल आउट कर सफेद गेंद सीरीज में विजयी शुरुआत की। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बहुत खराब रही जब मुजीब ने सिर्फ दूसरे ओवर में लगातार गेंदों पर दो विकेट झटक लिये। इसमें अनुभवी ब्रेंडन टेलर का बड़ा विकेट भी शामिल था। इसके बाद ओमरजई ने मेजबान टीम को संभलने का मौका नहीं दिया और अगले ही ओवर में दो विकेट लेकर जिम्बाब्वे का स्कोर 25 रन पर चार विकेट कर दिया।

खुशी, अहाना और चंद्रिका ने जीते स्वर्ण पदक

मनामा, 30 अक्टूबर। भारत के युवा मुक्केबाजी दल ने बहरीन में आयोजित तीसरे एशियाई युवा खेलों 2025 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर महाद्वीपीय स्तर पर युवा मुक्केबाजी में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सुबह के सुनहरे सत्र में, खुशी चंद (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनक्सिउ पर 4:1 से जीत हासिल करके भारत का खाता खोला। उन्होंने रिंग पर बेहतरीन नियंत्रण और सटीकता का प्रदर्शन किया। अहाना शर्मा (50 किग्रा) ने भी शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने कोरिया गणराज्य की मा जोंग हयांग के खिलाफ पहले राउंड में रेफरी द्वारा मुकाबले को रोकने के लिए आरएससी का सहारा लिया। इसके बाद चंद्रिका भोरेशी पुजारी (54 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5:0 के निर्णायक मुकाबले में हराकर भारत की स्वर्णिम हैट्रिक पूरी की। पदकों की संख्या और भी बढ़ सकती है: हरनूर कौर (66 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा) शाम के सत्र में अपने-अपने फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां भारत की नजर स्वर्ण पदकों का रिकॉर्ड बनाने पर होगी। लड़कों के फाइनल में, लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम (50 किग्रा) ने जबरदस्त कौशल और जज्बे का प्रदर्शन किया, लेकिन कज़ाकिस्तान के नूरमाखान झुमगली के खिलाफ कड़े मुकाबले में स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा इससे पहले, अनंत देशमुख (66 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतकर भारतीय दल के शानदार अभियान का समापन किया था।

मेलबर्न में गेंद लगने से किशोर क्रिकेटर की मौत

सिडनी, 30 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया में एक किशोर क्रिकेटर की मेलबर्न में अभ्यास सत्र के दौरान गेंद लगने से मौत हो गई। 17 साल का बेन ऑस्टिन मंगलवार को फर्न्ट्री गली वैली ट्यथू रिजर्व में हेलमेट पहनकर क्रिकेट नेट्स में अभ्यास कर रहा था कि इसी दौरान एक ऑटोमैटिक बॉलिंग मशीन से निकली गेंद उसके सिर या गर्दन पर लग गई। बेन ऑस्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार को उनकी मौत हो गई। फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने गुरुवार सुबह जारी एक बयान में ऑस्टिन के मौत की पुष्टि की। सोशल मीडिया पोस्ट में क्रिकेट क्लब ने उसके परिवार और दोस्तों और उन सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मुझे पता है कि यह खबर हमारे समुदाय पर कितना गहरा असर डालेगी और हम अपने क्लबों और क्रिकेट परिवार को हर तरह की मदद देंगे। उल्लेखनीय है कि यह घटना 2014 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिलिप ह्यूज की मौत के ठीक एक दशक बाद हुई है, जिनकी शेफील्ड शील्ड में बल्लेबाजी करते समय गर्दन पर गेंद लगने से मौत हो गई थी।

तनुष कोटियान ने झटके चार विकेट, दक्षिण अफ्रीका-ए 299/9

बेंगलुरु, 30 अक्टूबर। तनुष कोटियान (चार विकेट) और मानव सुथार (दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंडिया ए ने गुरुवार को पहले अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन स्टंप के समय 299 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका ए के नौ विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है। आज यहां इंडिया

ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ए की शुरुआत अच्छी नहीं है। उसने चौथे ही ओवर में छह रन के स्कोर पर लेसेगो सेनोक्वाने (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें अंशुल काम्बोज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ज़ुबैर हमजा ने जॉर्डन हरमन के साथ दूसरे विकेट के लिए 132 रनों की साझेदारी की। 35वें ओवर में गुरनूर बरार ने ज़ुबैर हमजा को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जुबैर हमजा ने 109 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए 66 रनों की पारी खेली। कप्तान मार्क्स एकरमैन 18 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में कोटियान का शिकार बने। 50वें ओवर में तनुष कोटियान ने जॉर्डन हरमन को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया। जॉर्डन हरमन ने 141 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 71 रन बनाये।

होप और अथानाज़े की बदौलत विंडीज ने बनायी 2-0 की अजेय बढ़त

चटगांव, 30 अक्टूबर। बंगलादेश के खिलाफ चटगांव में खेले गए दूसरे टी20 मैच में 14 रनों से जीत हासिल करने के बाद, वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। शाई होप और एलिक अथानाज़े के अर्धशतकों की बदौलत, वेस्टइंडीज ने 149 रन बनाए और फिर सफलतापूर्वक इस स्कोर का बचाव किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, वेस्टइंडीज को शुरुआती झटका लगा जब दूसरे ओवर में ब्रैंडन किंग मिड-ऑन पर कैच आउट हो गए। इसके बाद होप और अथानाज़े के बीच 105 रनों की शानदार साझेदारी हुई, जिसमें तीसरे ओवर में तौहीद हृदॉय ने अथानाज़े को मिड-ऑन पर मुश्किल कैच टपकाकर जीवनदान दिया। विंडीज की इस जोड़ी ने नियमित चौके लगाए और पावरप्ले के अंत में अपनी टीम का स्कोर 50/1 तक पहुंचाया। इसके बाद भी दोनों की साझेदारी मजबूत होती गई और उन्होंने धीमे पड़ने का कोई संकेत नहीं दिया। अथानाज़े स्पिनरों के खिलाफ ख़ासे सख़्त रहे और उन्होंने रिशाद हुसैन की गेंद पर दो छक्के और नासुम अहमद की गेंद पर एक और छक्का जड़कर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया।

मोनी और जयवीर सिंह ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में जीते स्वर्ण पदक

मनामा (बहरीन), 30 अक्टूबर। भारतीय कुश्ती दल के मोनी और जयवीर सिंह ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। लड़कों के 55किग्राम फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला कर रहे जयवीर सिंह ने बुधवार को फाइनल में पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका के निमेश दुलंजना और कंबोडिया के फान चान ओउ डोम पर 10-0 की शानदार जीत दर्ज करने के बाद कड़े क्वार्टर फाइनल में ईरान के यासीन जारेजादेह को क्राइटेरिया के आधार पर हराया। सेमीफाइनल में, जयवीर सिंह ने कजाकिस्तान के इब्राहिम यस्ककबेक को 5-0 से हराया। इसके बाद फाइनल मुकाबले में जापान के यामातो फुरुसावा के खिलाफ 6-2 की जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मोनी ने भी लड़कियों के फ्रीस्टाइल 57किग्राम वर्ग ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पहलवान ने सेमीफाइनल में चीन की जियाओहान जू को 8-0 से हराया।

जॉर्जीना कैनेडी से हार के बाद अनाहत सिंह का कनाडा महिला ओपन में अभियान समाप्त

टोरंटो (कनाडा), 30 अक्टूबर। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कनाडा महिला ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन सेमीफाइनल में इंग्लैंड की दुनिया की नंबर 10 खिलाड़ी जॉर्जीना केनेडी से हार के साथ खत्म हो गया। बुधवार को टोरंटो के ब्रुकफील्ड प्लेस में खेले गये सेमीफाइनल मुकाबले में 17वर्षीय अनाहत सिंह को केनेडी से 3-0 (11-5, 11-8, 12-10) से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला 30 मिनट तक चला। इससे पहले पीएसए सिल्वर इवेंट में, अनाहत सिंह ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर सात खिलाड़ी टिन गिलिस के टाइटल डिफेंस को 3-0 (12-10, 11-9, 11-9) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह अनाहत की टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत थी। रविवार को दूसरे राउंड में, अनाहत सिंह ने टॉप 20 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल की थी। उन्होंने फ्रांस की दुनिया की नंबर 20 खिलाड़ी मेलिसा एल्व्स को 3-1 (10-12, 10-12, 11-8, 2-11) से हराया।

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप सर्किट, तनोट माता व पूंछरी का लौठा के विकास कार्यों की समीक्षा की

उन्होंने ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ का गठन करने के निर्देश दिए

जयपुर, 30 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास के साथ-साथ राज्य सरकार आस्था धामों और पर्यटन स्थलों के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन धरोहर और धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास और पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन के निर्देश दिए।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन से परिचित कराने तथा उनके शौर्य की गाथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है। इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों, जैसे चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है, जिसके लिए 100 करोड रुपये का प्रावधान किया गया है।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करने तथा श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा के प्रगतिरत विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया में गति लाने के लिए कहा, उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में विकसित होने वाले इस पावन धाम पर श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएं।

बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट में उनके जीवन से जुड़े विभिन्न स्थल, जैसे चांवड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिनेर व उदयपुर आदि शामिल किये गये हैं तथा इनके लिए 100 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।**

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा करते हुए बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी।

सीबीएसई ने पहली बार परीक्षा शुरू होने से 110 दिन पहले डेटशीट जारी की है। दसवीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 मार्च तक और 12वीं की 17 फरवरी से 09 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं विषयों के अनुसार सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे और दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

सीबीएसई ने कहा कि दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों द्वारा लिए जाने वाले दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं की तिथियों को ध्यान में रखा गया है, और बोर्ड परीक्षाएं प्रवेश परीक्षाओं से काफी पहले समाप्त करने का प्रयास किया गया है।

भारतीय सेना के "त्रिशूल" सैन्य अभ्यास से दहला पाकिस्तान

यह अभ्यास पाकिस्तान के लिए स्पष्ट संदेश है कि भारत अपनी सीमा की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारत के मेगा त्रिस्तरीय सैन्य अभ्यास त्रिशूल ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया है। इसका उद्देश्य पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देना है कि भारत अपनी सीमा की रक्षा के लिए मुस्तैद है और आवश्यकता पड़ने पर मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति में और आगे कदम उठाने को भी तैयार है।

भारत ने गुरुवार को त्रिशूल की शुरुआत के साथ अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया। यह 12 दिनों तक चलने वाला एक त्रिस्तरीय सैन्य अभ्यास है, जो पाकिस्तान सीमा पर आयोजित हो रहा है, और यह ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद भारत के पहले युद्धाभ्यास के रूप में सामने आया है।

त्रिशूल में विशेष बलों (स्पेशल फोर्सेज) के कमांडो, मिसाइल बैटरियां, युद्धपोत, युद्धक टैंक, और हमला करने वाले विमान, जिनमें राफेल और सुखोई एस यू-30 शामिल हैं, पाकिस्तान के दक्षिणी क्षेत्र में आक्रामक हमलों का अभ्यास करेंगे, ताकि, सिंदूर के बाद के परिदृश्य में, भारतीय सशस्त्र बलों की तत्परता का परीक्षण हो सके।

यह अभ्यास गुजरात और राजस्थान में होगा, लेकिन ध्यान विशेष रूप से गुजरात के कच्छ क्षेत्र पर केन्द्रित होगा, जो पाकिस्तान के साथ एक नया सीमा विवाद स्थल हो सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस महीने के शुरू में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वह भारत के हिस्से वाले सिर क्रीक को अवैध रूप से कब्जाने की कोशिश न करें, जो गुजरात के कच्छ रण और पाकिस्तान के बीच स्थित एक संकरी और विवादित जल-पट्टी है, जिसकी लंबाई 100 किलोमीटर से कम है।

कागजों पर यह दोनों देशों के बीच धुर पश्चिमी सीमा है; अर्थात, क्रीक का पश्चिमी भाग पाकिस्तान का है और पूर्वी भाग भारत का। राजनाथ सिंह ने गर्जना के स्वर में कहा था कि भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के किसी भी प्रयास का जवाब "इतिहास और भूगोल" को बदल कर रख देगा।

- **तीनों सेनाओं का यह 12 दिवसीय अभ्यास गुजरात व राजस्थान में हो रहा है, पर इसका प्रमुख फोकस गुजरात में कच्छ का रन क्षेत्र है।**

चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों में भारत को मिली छह महीने की छूट

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रैस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर चल रही कवायद के बीच चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंध के मामले में भारत को अमेरिका से बड़ी तात्कालिक राहत मिली है, जिसमें अमेरिका ने बंदरगाह के संचालन पर लगाये गये प्रतिबंधों में छह महीने की छूट दे दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा," हमें बंदरगाह पर लागू अमेरिकी प्रतिबंधों से छह महीने की छूट दी गई है।"

अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगायी गई पाबंदियों के मद्देनजर भारत के चाबहार बंदरगाह के संचालन को लेकर प्रतिबंधों की घोषणा की थी।

भारत ने इस बंदरगाह को संचालन के लिए दस वर्ष के लिए लीज पर लिया हुआ है।

अमेरिका ने प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए कहा था कि इसके संचालन पर 29 सितम्बर से जुर्माना लगाया जायेगा। बाद में कहा गया कि ये प्रतिबंध एक महीने बाद यानी, 27 अक्टूबर से लागू होंगे। अब भारत को छह महीने, यानी आगामी अप्रैल तक प्रतिबंधों में छूट दे दी गयी है।

भारत के लिए यह बंदरगाह अफगानिस्तान, मध्य एशिया और पूर्वी रूस तक व्यापार के लिए सुगम मार्ग प्रदान करता है।

इस बंदरगाह को लेकर भारत और ईरान के बीच 2016 में समझौता हुआ था।

उल्लेखनीय है कि डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में पहले कार्यकाल के दौरान भी भारत को चाबहार बंदरगाह के मामले में छूट दी गयी थी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत के बारे में पूछे गये सवाल पर प्रवक्ता ने कहा, "हम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ बातचीत जारी रखे हुए हैं। दोनों पक्ष लगातार बातचीत कर रहे हैं।"

रूस की तेल कंपनियों पर अमेरिका के प्रतिबंधों से जुड़े सवाल पर जायसवाल ने कहा कि हम इन प्रतिबंधों के प्रभाव का अध्ययन कर रहे हैं।

रूस से तेल की खरीद पर भारत के दृष्टिकोण पर उन्होंने कहा कि भारत बाजार के उथल-पुथल भरे माहौल में अपने 140 करोड़ लोगों को सस्ते तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के रूख पर पर कायम है तथा राष्ट्रीय हितों के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया जायेगा।

- **अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगायी गई पाबंदियों के मद्देनजर भारत के चाबहार बंदरगाह के संचालन को लेकर प्रतिबंधों की घोषणा की थी।**
- **भारत ने इस बंदरगाह को संचालन के लिए दस वर्ष के लिए लीज पर लिया हुआ है।**
- **भारत के लिए यह बंदरगाह अफगानिस्तान, मध्य एशिया और पूर्वी रूस तक व्यापार के लिए सुगम मार्ग प्रदान करता है।**

अब तीसरी कक्षा से एआई की पढ़ाई होगी

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। शिक्षा मंत्रालय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि स्कूलों में कक्षा तीन से आगे एआई पर पाठ्यक्रम शुरू किया जायेगा।

शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने भविष्य के लिए तैयार शिक्षा के आवश्यक घटकों के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग को आगे बढ़ाने के लिए आज अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (एआई और सीटी) सीखने, सोचने और सिखाने की अवधारणा को सुदृढ़ करेगी और धीरे-धीरे "सार्वजनिक हित के लिए एआई" के विचार की ओर विस्तारित होगी। यह पहल जटिल चुनौतियों को हल करने के लिए एआई के नैतिक उपयोग की दिशा में एक नया, लेकिन महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह तकनीक कक्षा तीन से शुरू होगी।

- **शिक्षा मंत्रालय ने यह घोषणा की और बताया कि सीबीएसई ने इसके लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।**

बूसान में हैंड शेक के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पृथक्करण और चुंबक निर्माण की क्षमता अभी भी नहीं है। परिणामस्वरूप, भारत वही प्रसंस्कृत सामग्री आयात करता है, जिसे वह सिद्धांत रूप में स्वयं उत्पादन कर सकता है।

खान मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "भारत की निर्भरता संरचनात्मक है, न कि परिस्थितिजन्य, "हमारे पास अयस्क (ओर्स) हैं, लेकिन तकनीक नहीं है। बुसान समझौता सांस लेने की जगह देता है, स्वतंत्रता नहीं।"

यह समझौता निकट भविष्य में भारतीय उद्योग के लिए फायदेमंद है। कम कीमतें और आश्वस्त आपूर्ति से ईवी, पवन, और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता, जैसे टाटा मोटर्स, महिंद्रा इलेक्ट्रिक, और सुज़लोन को उत्पादन की योजना बनाने में मदद मिलेगी, वो भी बिना उतार-चढ़ाव के। लेकिन खनन और प्रसंस्करण कंपनियां दबाव महसूस कर सकती हैं। परमाणु खनिज निदेशालय के पूर्व निदेशक के. राजन चेतावनी देते है, "अगर चीन उत्पादन बढ़ाता है, तो कीमतें गिर जाएंगी, जो स्थानीय प्रसंस्करण निवेश को हतोत्साहित करेगा। कम लागत की बजाय स्थिरता चाहिए।"

भारत एक महत्वपूर्ण खनिज रणनीति तैयार कर रहा है, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी पृथक्करण और चुंबक निर्माण के लिए 5,000 करोड़ की प्रोत्साहन योजना और शहरी खनन से रीसायक्लिंग के लिए 1,500 करोड़ का पुश शामिल है। इसका उद्देश्य यह है कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का तीसरा स्तंभ बनाना, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ।

लेकिन ट्रंप-शी का यह समझौता उस गति को कमज़ोर कर सकता है। यदि पश्चिमी देश सहज हो जाते हैं, तो भारत साझेदारियों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को आकर्षित करने के लिये संघर्ष कर सकता है। आईआईटी मद्रास के प्राफेसर राजीव मल्होत्रा कहते है, "चीन की ताकत खनन में नहीं, बल्कि प्रसंस्करण, पेटेंट और चुंबक निर्माण में है, भले ही एक साल के लिए कीमतें कम हों, पर तकनीकी अंतर बना रहता है।"

दुर्लभ पृथ्वी तत्व केवल अर्थशास्त्र का नहीं, बल्कि सुरक्षा का भी मामला है। ये रडार प्रणालियों, सटीक मिसाइलों और स्टेल्थ विमानों का आधार हैं। भारत ने चुपचाप ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम के साथ आपूर्ति संबंधों को बनाना शुरू कर दिया है और स्टॉक भी बनाया है। एक रक्षा अधिकारी ने कहा, "यह एक खिड़की है, समाधान नहीं, जब समझौता समाप्त होगा, असुरक्षाएं फिर से लौट आएंगी। हमें इस समय का उपयोग क्षमता बनाने के लिए करना चाहिए।"

भारत आखिरकार दुर्लभ पृथ्वी तत्वों को परमाणु उत्पादकों के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक संपत्तियों के रूप में पहचानने लगा है। आईआरईएल ने निजी कंपनियों के साथ पायलट प्रसंस्करण परियोजनाएं शुरू की हैं, जबकि कंपनियां, जैसे सोना कॉमस्टार, घरेलू चुंबक निर्माण का अन्वेषण कर रही हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग स्वच्छ शोधन तकनीकों के लिए वित्त पोषण कर रहा है। लेकिन सरकारी बाधाएं, कमजोर अनुसंधान और विकास, और पर्यावरणीय संवेदनशीलताएं निवेशकों को निरुत्साहित करती हैं।

इसलिए, "बुसान हैंड शेक" कोई मोड़ नहीं है, केवल एक विराम है। एक साल की शांति भारत के लिए अपनी महत्वपूर्ण खनिज नीति को तेजी से लागू करने, प्रौद्योगिकी गठजोड़ बनाने और निष्कर्षण से लेकर अंतिम उपयोग निर्माण तक जाने का बूस्टर होनी चाहिए। रणनीतिक स्वायत्तता, आखिरकार, आयात नहीं की जा सकती। इसे शुद्ध किया जाना चाहिए, ठीक वैसे, जैसे वे खनिज, जो आधुनिक दुनिया को घुमाते हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत देश के 53 वें मुख्य न्यायाधीश होंगे और उनका कार्यकाल करीब 15 महीने का होगा। वह फरवरी 2027 में सेवानिृत होंगे। उन्हें मई 2019 में उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

इससे पहले वह 2018 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बनाए गए थे। हरियाणा के हिसार में 10 फरवरी 1962 को जन्में न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने 1984 में कानून की पढ ाई पूरी करने के बाद हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और उसके बाद 1985 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ में वकालत की। वे जनवरी 2004 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के अस्थायी न्यायाधीश बनें। वे संवैधानिक, सेवा और सिविल मामलों के विशेषज्ञ हैं।

मनीष शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजाय तेजस्वी ने उन्हें अपने घर मीटिंग में आने तक से रोक दिया। अब एक और असफल नेता अविनाश पांडे को बिहार भेजा गया है ताकि वह फिर से चीजों को सुलझा सकें। राहुल गांधी के साथ हमेशा प्रयाग करते रहते है और के.सी. वेणुगोपाल या नए समूह को जिम्मेवारी देत रहते हैं, जो या तो उन्हें गुमराह कर रहे हैं आर उन्हें सही दिशा में नहीं ले जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता इस नियुक्ति से स्तब्ध हैं और कह रहे हैं ऐसा पहले कभी नहीं सुना।

ट्रंप और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपूर्ति जारी रखने पर सहमत हो गया है। रेअर अर्थ मेटल और महत्वपूर्ण खनिज की आपूर्ति बहाल होने से अमेरिका के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को काफी राहत मिलेगी।

17 बच्चों को बंधक बनाने वाले आरोपी रोहित की पुलिस मुठभेड में मौत

मुंबई, 30 अक्टूबर। मुंबई के पवई इलाके में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले शख्स की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गयी और पुलिस ने सभी बच्चों को सकुशल मुक्त करा लिया।

रोहित आर्या नाम के शख्स ने 17 बच्चों को गुरुवार को बंधक बना लिया। बच्चों को छुड़ाने के दौरान रोहित ने पुलिस पर गोली चला दी और पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गयी।

मुंबई में उस समय तनाव की स्थिति बन गयी, जब आरए स्टूडियो में गुरुवार को 17 बच्चों को बंधक बनाये जाने की खबर फैली। बच्चे शहर के विभिन्न हिस्सों से ऑडिशन में भाग लेने के लिए स्टूडियो पहुँचे थे। रोहित आर्या नाम के एक व्यक्ति ने बच्चों को बंधक बना लिया। घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावक स्टूडियो पहुंचे। पुलिस भी उसी दौरान मौके पर पहुंच गयी।

पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए इलाके की घेराबंदी कर की और इलाके के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया। किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों ने आपातकालीन सेवाओं को भी तैनात कर दिया था। इसी दौरान, आरोपी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिससे मामला और भी ज़्यादा गरमा गया। वीडियो में रोहित ने कहा कि उसने अपनी जान देने की बजाय, बच्चों को बंधक बनाने का फैसला किया है। उसने कहा कि उसकी कुछ साधारण और नैतिक मांगे हैं और वह कुछ लोगों से सवाल पूछना चाहता है। आर्या ने वीडियो में यह भी कहा कि वह आतंकवादी नहीं है और उसकी कोई आर्थिक माँगें नहीं हैं। उसने कहा कि उसने एक योजना के तहत बच्चों को बंधक बनाया है। साथ ही, उसने धमकी दी कि किसी ने जरा सी भी गलती की तो वह पूरे परिसर में आग लगा देगा।

पुलिस ने लगातार प्रयासों के बाद स्टूडियो से सभी 17 बच्चों को सफलतापूर्वक बचा लिया और रोहित को हिरासत में ले लिया।

- **सूत्रों के अनुसार पुलिस जब बच्चों को छुड़ाने का प्रयास कर रही थी तब आरोपी ने गोली चला दी पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई जिससे आरोपी घायल हो गया व अस्पताल में उसकी मौत हो गई।**

पाकिस्तान ने अफगानिस्तानी तालिबान को धमकाया

इस्लामाबाद, 30 अक्टूबर। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्हें पूर्ण विनाश की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उन्हें तोरा बोरा गुफाओं में वापस भागने पर मजबूर कर देगा।

आसिफ ने बुधवार को एक्स पर प्रकाशित एक कड़े शब्दों वाले बयान में कहा कि इस्लामाबाद को तालिबान शासन को पूरी तरह से खत्म करने के लिए अपनी सैन्य शक्ति का एक अंश भी इस्तेमाल करने की ज़रूरत नहीं होगी। उन्होंने तालिबान शासन पर सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने और युद्ध अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए, पहले से ही युद्ध से तबाह अपने देश को एक और युद्ध में घसीटने का आरोप लगाया।

विश्व में तीसरे शीत युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच के वर्षों में अमेरिका और रूस अपने परमाणु भंडारों के निर्माण को रोकने पर सहमत हुए थे, हालांकि, चीन ने गुपचुप तरीके से अपने हथियारों की संख्या बढ़ाई और अब वह लगभग अमेरिका और रूस की बराबरी पर आ गया है।

रूस और अमेरिका के पास लगभग 1,550 परमाणु हथियार हैं, जबकि चीन के पास लगभग 1,000 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। इनके अलावा भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़रायल के पास भी परमाणु हथियार हैं, और कुछ अन्य देश भी इस दिशा में प्रयासरत हैं।

इतने विशाल परमाणु भंडार हैं कि यदि इनका केवल एक हिस्सा भी विस्फोटित हो जाए, तो पूरी दुनिया में प्रलय जैसी स्थिति बन जाएगी और मानव सभ्यता खत्म हो सकती है। इंसान शायद फिर से गुफाओं में लौटने को मजबूर हो जाए।

द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद दुनिया दो हिस्सों में बँट गई थी, एक ओर पश्चिमी लोकतांत्रिक देश थे और दूसरी ओर साम्यवादी (कम्युनिस्ट) देश। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चर्चिल ने उस समय अपने प्रसिद्ध भाषण में कहा था कि युद्ध के बाद के यूरोप पर "लोहे का पर्दा" (आयरन कर्टन) गिर गया है, जिसने पश्चिम और साम्यवादी पूर्व के बीच दीवार खड़ी कर दी है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शुरू हुआ यह टकराव सत्ता और वर्चस्व की लड़ाई में बदल गया। दुनिया दो हिस्सों में बँट गई, जो औपनिवेशिक (कलोनियल) काल के प्रभाव की तरह थी। लेकिन सोवियत संघ के टूटने और विकासशील देशों के उभरते आर्थिक बल बनने के बाद यह पुरानी व्यवस्था धीरे-धीरे बिखरने लगी।

अमेरिका ने जब राष्ट्रपति निक्सन के नेतृत्व में चीन के साथ राजनयिक संबंध फिर से शुरू किए, अपने विदेश नीति सलाहकार हेनरी किसिंजर की पहल पर, उसके बाद से वैश्विक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया।

इसके सामानांतर अमेरिका और सोवियत संघ ने महसूस किया कि परमाणु हथियारों की दौड़ व्यर्थ है, और उन्होंने अपने परमाणु भंडार सीमित करने के लिए कई समझौते किए। इन समझौतों में सबसे प्रसिद्ध परमाणु शस्त्रागार संधि थी, जिसे "स्टार्ट ट्रीटी" कहा जाता है। यह 1990 के दशक से लागू रही और अब समाप्त होने वाली है।

अलास्का के एंकोरेज में अपनी पिछली बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोनों देशों के बीच एक अनौपचारिक समझौते के आधार पर परमाणु शस्त्रागार संधि को एक साल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था। यही वह समय था जब दोनों राष्ट्रपतियों, ट्रंप व पुतिन ने सौहार्दपूर्ण वार्ता की और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा की।

लेकिन उसके बाद यूक्रेन युद्ध को लेकर दोनों देशों में मतभेद बढ़ गए। पुतिन ने युद्ध कम करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे संबंध फिर बिगड़ गए। अब ट्रम्प यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या पुतिन सचमुच यूक्रेन में शांति लाना चाहते हैं या नहीं।

अजीब बात यह है कि तीन साल पहले यूक्रेन में शुरू हुई लड़ाई ने अब पूरी दुनिया को टकराव के माहौल में झोंक दिया है। दुनिया भर में आतंकवादी हमले, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ और आम नागरिकों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं।

गाज़ा में हुई बर्बरताएँ, पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों का हमला, पाकिस्तानी सेना प्रमुख की युद्धोन्मादी बयानबाज़ी, ट्रम्प के मनमाने सैन्य हमले और अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी, इन सबने मिलकर वैश्विक टकराव का एक भयावह माहौल बना दिया है।

बिहार चुनाव को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल हैं, को निष्कासित करने पर मजबूर होना पडा है।

निष्कासन की यह लहर सभी राजनीतिक दलों में देखी गई है। भाजपा को पिछले कुछ हफ्तों में करीब 20 नेताओं को निष्कासित करना पड़ा, जिनमें काहलगांव विधायक पवन कुमार यादव और चार बार के परुई विधायक अशोक कुमार सिंह शामिल हैं।

जेडीयू ने 16 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया है, जिनमें पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह और सुदर्शन कुमार, और पूर्व विधान परिषद सदस्य (एम एल सी) संजय प्रसाद और रणविजय सिंह शामिल हैं। गोकलपुर से चार बार के विधायक रहे गोपाल मंडल को भी पार्टी से बाहर किया गया, और जेडीयू नेतृत्व ने इस सीट से हाल ही में आर जे डी छोड़कर बूलो मंडल को उम्मीदवार बनाया।

राजद ने भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण 27 नेताओं को निष्कासित किया। है। निष्कासित नेताओं में पार्टी के मौजूदा विधायक छोटे लाल राय (पारसा) भी शामिल हैं। इसके अलावा, गोबिंदपुर के विधायक मोहम्मद कमरान, और पूर्व विधायक राम प्रकाश महतो, अनिल साहनी, सरोज यादव, और अनिल यादव के साथ-साथ, पूर्व एमएलसी गणेश भारती भी निष्कासित किए गए है।

कांग्रेस विद्रोहियों को बाहर निकालने से बची है। लेकिन पार्टी के भीतर मतभेद खुले तौर पर दिखाई दे रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में पटना हवाई अड्डे पर, पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुटों को एक-दूसरे से लड़ते हुए देखा गया।

निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में चुनावी मैदान में कई विद्रोहियों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि यह चुनाव कम से कम अभी तक तो 'लहर रहित' चुनाव माना जा रहा है। निर्दलीय उम्मीदवार बड़ी संख्या में अपने भाग्य को आजमाने के लिए तैयार और इच्छुक हैं। इस स्थिति का आकलन इस प्रकार किया जा रहा है: कड़े मुकाबलों, में जहां जीत का अंतर बहुत कम करना है, विद्रोही या निर्दलीय उम्मीदवार परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। अगर प्रशांत किशोर जन सुराग पार्टी जनसभा के उम्मीदवारों को भी थोड़ा सा वोट भी मिलता है, तो यह मुख्य राजनीतिक दलों - राजद, भाजपा, और जेडीयू - के लिए स्थिति को जटिल बना सकता है।

प्र.मंत्री छठ पर्व को यूनैस्को से सांस्कृतिक विरासत घोषित करवाने में जुटे

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में एक जनसभा में यह जानकारी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में एक चुनावी रैली में कहा कि उनकी सरकार छठ महापर्व को युनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा दिलवाने की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस और आरजेडी नेताओं ने वोटों के लिए "छठ मैया" का अपमान किया है। राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री पर छठ पूजा को लेकर "नाटक" करने का आरोप लगाने के बाद, मोदी ने यह बयान देकर स्थानीय लोगों को भावनात्मक रूप से उकसाने की कोशिश की है। छठ पूजा बिहार का सबसे बड़े धूमधाम से मनाया जाने वाला त्योहार है, जिसमें हिंदू देवी छठी माता (या स्थानीय बोली में "मैया") की पूजा की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आपका (यह) बेटा छठी मैया की पूजा दुनिया के सामने कर रहा है, जबकि कांग्रेस और राजद नेता छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। क्या कोई चुनाव में वोट पाने के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है? क्या बिहार इस प्रकार के अपमान को सहन करेगा? क्या मेरी माताएं, जो निर्जला उपवास करती हैं, इसे सहन करेंगी? पीएम मोदी ने सवाल किया। जनता ने एक स्वर में जोर से "नहीं" कहा।

प्रधानमंत्री ने कहा, "राजद और कांग्रेस कितनी बेहया बात कर रहे हैं? उनके लिए छठी मैया की पूजा सिर्फ एक नाटक है, एक मजाक?" उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा अपमान लोगों की स्मृति में सदियों तक रहेगा।" बिहार आत्मसम्मान की भूमि है। बिहार उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा, जिन्होंने छठ पूजा का अपमान किया है।"

- **बिहार में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में छठ पर्व का मुद्दा काफी गर्म है।**
- **प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और राजद पर आरोप लगाया कि वे "छठी मइया" का अपमान कर रहे हैं, जबकि वे खुद छठ पर्व को दुनिया भर में पहचान दिलाना चाहते हैं।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600